PLANET NEWS INDIA
Follow us on:/
निर्भय कुमार सेंगर
(संस्थापक एवं प्रधान संपादक)
01

प्लैनेट न्यूज़ इंडिया

हर खबर सच के साथ

भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त
RNI No.- UPHIN/25/A4228

(भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विज्ञापनों हेतु मान्यता प्राप्त)

■ वर्ष : 01 ■ अंक : 01 ■ अलीगढ, शुक्रवार 25 सितंबर, 2026 ■ पृष्ठ : 8 ■ मूल्य : 1/-रुपया www.planetnewsindia.com

एक्सप्लेनर: पहली बार सवालों में नहीं है चुनाव आयोग,
सत्ता से करीबी और बाद में 'इनाम' मिलने पर पहले भी हुए बवाल

मुख्य चुनाव आयुक्त का पद पहली बार सवालों में नहीं है। जानें टीएन शेषन से लेकर ज्ञानेश कुमार तक के विवाद, आयोग की संरचना और रिटायरमेंट के बाद मिले पदों का पूरा ब्योरा।भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार इस वक्त निर्वाचन आयोग की गतिविधियों को लेकर सवालों के घेरे में हैं। विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की प्रक्रिया को लेकर विपक्ष उन पर निशाना साध रहा है। भारत में चुनाव के इतिहास में यह पहली बार नहीं है, जब मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) का पद विवादों के घेरे में हो। पहले भी कई मौकों पर सीईसी को लेकर विवाद हुए हैं। ऐसे में यह जानना अहम है कि भारत में सीईसी के पद का शुरुआती इतिहास क्या रहा है? यह पद अस्तित्व में कैसे आया और इसका गठन क्यों हुआ? पहले चुनाव आयोग की संरचना कैसी थी? इसमें बदलाव कब हुआ? मुख्य चुनाव आयुक्त को लेकर पहले कब-कब विवाद हुआ और इसकी वजह क्या रही?

सीईसी के पद का गठन क्यों हुआ था?

भारत में संसदीय लोकतंत्र और वयस्क मताधिकार को अपनाने के बाद चुनावों को स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी बनाए रखना अनिवार्य था। ऐसे में चुनावी प्रक्रिया को तत्कालीन सरकार या कार्यपालिका के राजनीतिक प्रभाव, दखल और मनमानी से पूरी तरह मुक्त रखने का विजन तय किया गया।चूंकि देश में चुनाव के लिए मतदाता सूची तैयार करने, चुनावी तिथियां तय करने, उम्मीदवारों के नामांकन की जांच करने, राजनीतिक दलों को मान्यता देने और निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए एक केंद्रीय अखिल भारतीय निकाय जरूरी था, इसलिए इसे चलाने वाले एक प्रमुख सदस्य की नियुक्ति भी अनिवार्य थी, जो कि अपने कामों के लिए भारत के राष्ट्रपति के प्रति जवाबदेह होगा।सुप्रीम कोर्ट की तरफ से अनूप बरनवाल बनाम भारत संघ मामले में दिए गए फैसले के मुताबिक, संविधान निर्माताओं (संविधान सभा) की स्पष्ट मंशा यह थी कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त और अन्य निर्वाचन आयुक्तों को नियुक्त करने का अधिकार केवल कार्यपालिका के हाथों में विशेष रूप से न रहे। इसी सोच के तहत संविधान सभा ने अनुच्छेद 324 में यह व्यवस्था रखी थी कि यह नियुक्ति प्रक्रिया संसद द्वारा बनाए जाने वाले कानून के अंतर्गत होगी। संविधान सभा का मकसद चुनाव आयोग को ऐसी स्वायत्तता और सांविधानिक सुरक्षा देना था, जिससे भारत के लोकतांत्रिक ढांचे की निष्पक्षता बनी रहे।

पहले चुनाव आयोग की संरचना कैसी थी; आज जो व्यवस्था है, वह कब बनी?

1. 1989 से पहले की संरचना: सिर्फ एक मुख्य चुनाव आयुक्त वाला निकाय

25 जनवरी 1950 को अपनी स्थापना से लेकर 15 अक्तूबर 1989 तक निर्वाचन आयोग एक एकल-सदस्यीय निकाय के तौर पर कार्य करता था। इस पूरी अवधि के दौरान सिर्फ मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ही आयोग के इकलौते सदस्य होते थे और चुनाव से जुड़े सभी प्रशासनिक और निर्णयकारी अधिकार उन्हीं के पास केंद्रित थे।

Aligarh News: नशा और तेज रफ्तार ने अलीगढ़ में बढ़ाए 35 फीसदी हादसे

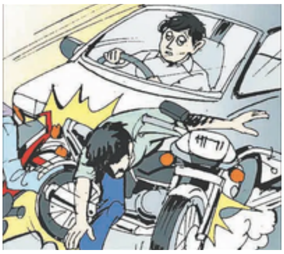

सड़क हादसों के मामले में अलीगढ़ ने प्रदेश के सभी जिलों को पीछे छोड़ दिया है। ट्रैफिक पुलिस और परिवहन विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, जिले में बढ़ते हादसों की मुख्य वजह तेज रफ्तार और नशे में वाहन चलाना है। इन वजहों से पिछले आठ माह में ही 35% हादसे बढ़ गए हैं।जिले में सड़क सुरक्षा के लिए तमाम अभियान चलते हैं। हर माह सड़क सुरक्षा के नाम पर लाखों रुपये खर्च भी होते हैं। यातायात नियमों के उल्लंघन पर कार्रवाई भी होती है। इसके बाद भी हादसे और जनहानि के के आंकड़े बढ़ रहे हैं। परिवहन विभाग की ताजा रिपोर्ट के अनुसार इस वर्ष जनवरी से अगस्त के बीच अलीगढ़ में 1,045 सड़क दुर्घटनाएं दर्ज की गईं जो इसी अवधि में वर्ष 2025 में 773 थीं। इस तरह एक साल में हादसों की संख्या 272 बढ़ी जो 35.2 प्रतिशत की वृद्धि है। हादसों के साथ घायलों की संख्या में भी बड़ा इजाफा हुआ है।

जनवरी-अगस्त 2025 में जिले में 954 लोग सड़क दुर्घटनाओं में घायल हुए थे। 2026 में यह आंकड़ा 66.9 फीसदी वृद्धि के साथ 1,592 पहुंच गया।जिले में जागरूकता अभियान चलाकर सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम के प्रयास किए जा रहे हैं। सड़क सुरक्षा में मिलने वाले बजट का उपयोग जागरूकता अभियान, दुर्घटना स्थलों पर बोर्ड लगाने आदि पर खर्च किया जा रहा है। सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को कम करने के लिए सड़क सुरक्षा संबंधी उपायों, निगरानी और जिला स्तर पर कार्रवाई करने पर जोर है।

पीएम मोदी: सेवा संकल्प अभियान पर निकले युवाओं से प्रधानमंत्री का संवाद,
बोले- लोगों से जुड़ना ही अद्भुत अनुभव

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेवा संकल्प अभियान के तहत वाराणसी से वडनगर जा रहे युवाओं से संवाद किया। युवाओं ने रास्ते में लोगों से हुई मुलाकात और उनके अनुभव प्रधानमंत्री को बताए। उन्नाव की एक बुजुर्ग महिला ने पक्के घर के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद देने को कहा और अपना पुराना घर गिरने की घटना सुनाई।प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेवा संकल्प अभियान के तहत वाराणसी से वडनगर की यात्रा पर निकले युवाओं से संवाद किया। इस दौरान युवाओं ने रास्ते में लोगों से मुलाकात और सेवा से जुड़े अपने अनुभव प्रधानमंत्री के साथ साझा किए। अभियान 17 सितंबर से 17 अक्तूबर तक चल रहा है। प्रधानमंत्री के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने के मौके पर देश के अलग-अलग हिस्सों में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस संवाद में जमीनी स्तर पर लोगों से मिलने और उनकी बातें सुनने के अनुभव सामने आए।

सेवा यात्रा पर निकले युवाओं ने पीएम मोदी को क्या बताया?

वाराणसी से वडनगर जा रहे समूह ने प्रधानमंत्री को बताया कि यात्रा का अनुभव बहुत अच्छा रहा। युवाओं ने रास्ते में अलग-अलग जगहों पर लोगों से बातचीत की और उनके अनुभव सुने। इसी दौरान उन्नाव जिले में एक बुजुर्ग महिला से हुई मुलाकात का किस्सा भी साझा किया गया। महिला ने जब युवाओं से पूछा कि वे कहां जा रहे हैं, तो उन्होंने बताया कि वे मोदी जी के गांव जा रहे हैं और लाभार्थियों से मिलकर उनका आशीर्वाद ले रहे हैं। इस पर महिला ने प्रधानमंत्री के लिए अपना संदेश दिया और उनसे धन्यवाद कहने को कहा।

उन्नाव की बुजुर्ग महिला ने प्रधानमंत्री को क्या संदेश दिया?

यात्रियों ने बताया कि बुजुर्ग महिला ने प्रधानमंत्री के लिए धन्यवाद का संदेश दिया। उन्होंने अपनी जिंदगी से जुड़ा एक अनुभव भी साझा किया। महिला ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत उन्हें पक्का घर मिला। उनके मुताबिक, अगर यह पक्का घर नहीं बना होता तो आज उनका परिवार सुरक्षित नहीं होता। उन्होंने बताया कि उनका पुराना कच्चा घर काफी जर्जर था और एक दिन जब वह उसके बाहर बैठी थीं, तभी वह ढह गया और एक ईंट लगने से उन्हें चोट भी आई।

Aligarh News: अभिषेक हत्याकांड में एक साल बाद चार पर आरोप तय

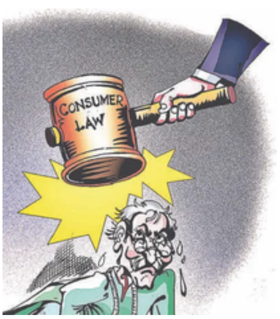

खेरेश्वर चौराहे पर हुई अभिषेक गुप्ता की हत्या के मामले में एक साल बाद अदालत में आरोपियों पर आरोप तय हुए हैं। एडीजे-6 की अदालत ने मामले में पूजा शकुन पांडेय, उसके पति अशोक पांडेय और दो अन्य आरोपियों के खिलाफ आरोप तय कर दिए हैं। आरोप तय होने के बाद अब मुकदमे में गवाहों के बयान दर्ज किए जाएंगे। मामले की अगली सुनवाई पांच अक्तूबर को होगी। अभियोजन के अनुसार, 26 सितंबर 2025 की रात हाथरस के कचौरा गांव निवासी अभिषेक गुप्ता को खेरेश्वर चौराहे के पास बाइक सवार हमलावरों ने गोली मार दी थी। उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई थी। घटना के बाद पुलिस ने जांच के आधार पर पूजा शकुन पांडेय, अशोक पांडेय और दो अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया था। पुलिस की विवेचना में हत्या की वजह अभिषेक और पूजा के बीच संबंध तथा खैर स्थित टीवीएस शोरूम में साझेदारी को लेकर विवाद बताया गया था। पुलिस के मुताबिक, हत्या के लिए कथित तौर पर तीन लाख रुपये की सुपारी दी गई थी और दो लोगों के जरिए वारदात को अंजाम दिलाया गया। मामले में आरोपित फिलहाल जमानत पर हैं। अदालत में अब गवाहों के बयान दर्ज होने की प्रक्रिया शुरू होगी।

बस में चढ़ते समय मार दी थी गोली :घटना के वक्त अभिषेक, उसके पिता और चचेरा भाई सिकंदराराऊ जाने के लिए बस के इंतजार में खेरेश्वर चौराहे पर खड़े थे। बस आने पर जब अभिषेक बस में चढ़ने लगे तो तभी वहां पर मौजूद शूटरों ने अभिषेक को गोली मार दी थी। सिर में गोली लगने से अभिषेक की मौत हो गई थी।

'कब करेंगे कार्रवाई?': यूएन में शहबाज शरीफ से हाफिज सईद पर सवाल,
मुंह छिपाते नजर आए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री

यूएन मुख्यालय में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से हाफिज सईद और आतंकियों को पनाह देने को लेकर सीधे सवाल पूछे गए। उन्होंने दोनों सवालों का जवाब नहीं दिया और आगे बढ़ गए। हाफिज सईद 26/11 मामले में आरोपी है और पहलगाम आतंकी हमले की एनआईए जांच में भी आरोपी बनाया गया है। ऐसे में सवाल उठता है कि शहबाज ने जवाब क्यों नहीं दिया? पाकिस्तान उस पर कब कार्रवाई करेगा?संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र के दौरान पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को हाफिज सईद के मुद्दे पर सीधे सवालों का सामना करना पड़ा। न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में प्रवेश करते समय पत्रकार ने उनसे पूछा कि पाकिस्तान आतंकियों को पनाह देना कब बंद करेगा। शहबाज शरीफ ने इस सवाल का कोई जवाब नहीं दिया और आगे बढ़ गए। बाद में जब वह यूएन मुख्यालय से बाहर निकले तो उनसे फिर पूछा गया कि लश्कर-ए-तैयबा प्रमुख हाफिज सईद पर मुकदमा कब चलाया जाएगा। इस सवाल पर भी वो मुंह छिपाते हुए चलते चले गए।

हाफिज सईद पर शहबाज शरीफ से क्या-क्या पूछा गया?

शहबाज शरीफ से दोनों सवाल सीधे तौर पर पाकिस्तान में आतंकवाद और हाफिज सईद के खिलाफ कार्रवाई से जुड़े थे। सवाल था, 'प्रधानमंत्री, आप आतंकियों को पनाह देना कब बंद करेंगे?' लेकिन शहबाज ने इस पर प्रतिक्रिया नहीं दी। इसके बाद यूएन मुख्यालय से निकलते समय उनसे पूछा गया, 'लश्कर-ए-तैयबा प्रमुख हाफिज सईद पर मुकदमा कब चलाएंगे?' इस बार भी पाकिस्तानी प्रधानमंत्री बिना जवाब दिए आगे बढ़ गए। इस पूरे घटनाक्रम ने यूएन में पाकिस्तान के आतंकवाद संबंधी रिकॉर्ड और हाफिज सईद पर कार्रवाई के सवाल को फिर चर्चा में ला दिया।

हाफिज सईद कौन है और भारत उससे कार्रवाई क्यों चाहता है?

हाफिज मोहम्मद सईद पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के सरगोधा का रहने वाला है और प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का संस्थापक और प्रमुख रहा है। भारत ने उसे गैरकानूनी गतिविधियां रोकथाम अधिनियम यानी यूएपीए के तहत आतंकवादी घोषित किया है। 26/11 मुंबई आतंकी हमले के मामले में भी उसका नाम आरोपी के तौर पर दर्ज है।

Aligarh News: पांच दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था की मांग के लिए प्रदर्शन

पांच दिवसीय बैंकिंग व्यवस्था लागू करने समेत लंबित मांगों के समर्थन में बृहस्पतिवार को यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के आह्वान पर बैंक कर्मचारियों ने पीएनबी रामघाट रोड शाखा के सामने धरना-प्रदर्शन किया। सार्वजनिक क्षेत्र और क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए।कर्मचारियों ने पांच दिवसीय बैंकिंग लागू करने और लंबित मांगों के समाधान के नारे लगाए। संयोजक प्रदीप चौहान ने कहा कि पांच दिवसीय बैंकिंग और द्विपक्षीय समझौतों के सम्मान समेत मांगों को लेकर आंदोलन जारी है। उन्होंने 28 से 30 सितंबर तक प्रस्तावित राष्ट्रव्यापी हड़ताल को सफल बनाने का आह्वान किया। अतुल सिंह, सचिन शर्मा और विवेक ने कहा कि मांगें न मानी गईं तो अनिश्चितकालीन हड़ताल का रास्ता अपनाया जाएगा। इस दौरान जितेंद्र शर्मा, मोहित उपाध्याय, विवेक शर्मा, सुधीर सक्सेना, राकेश सक्सेना, पंकज कुमार, अभिलाषा, हर्षित आदि मौजूद रहे।

यूपी पुलिस सिपाही भर्ती: पीईटी में इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का रहेगा पहरा,
सेंधमारी की कोशिश की तो करिअर होगा खराब

यूपी पुलिस सिपाही भर्ती के पीईटी में इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का कड़ा पहरा रहेगा। जरा सी भी चूक अभ्यर्थी के खिलाफ साक्ष्य संकलित करा देगी। सेंधमारी की कोशिश भी की तो करिअर खराब हो सकता है।उत्तर प्रदेश पुलिस में 32679 सिपाही एवं समकक्ष पदों के लिए शारीरिक दक्षता परीक्षा (पीईटी) उप्र पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड की ओर से गठित समिति कराएगी। इसमें जिला प्रशासन, पुलिस और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी नामित किए जाएंगे।भर्ती बोर्ड के अध्यक्ष डीजी एसबी शिरडकर ने बताया कि समिति द्वारा मैनुअल टाइमिंग प्रयोग करने की अनुमति नहीं होगी। सीसीटीवी कवरेज सहित मानकीकृत इलेक्ट्रॉनिक टाइमिंग उपकरण और पर्याप्त बैकअप के साथ बायोमीट्रिक्स का प्रयोग परीक्षा में सेंधमारी से बचने के लिए किया जाएगा। परीक्षा में सफल एवं असफल अभ्यर्थियों की सूची समिति के सदस्यों के संयुक्त हस्ताक्षर से घोषित होगी। परीक्षा का परिणाम परीक्षण स्थल पर सूचना पट पर दिन की समाप्ति पर प्रदर्शित किया जाएगा।

दे सकेंगे प्रत्यावेदन

यदि कोई अभ्यर्थी परीक्षा के नियत समय एवं तिथि पर शामिल होने में असफल रहता है तो वह इसके विस्तृत कारणों का उल्लेख करते हुए किसी अन्य तारीख पर शामिल होने के लिए परीक्षा दिवस को ही स्वयं या किसी प्रतिनिधि के जरिये प्रत्यावेदन दे सकता है। डाक, ई मेल अथवा अन्य किसी माध्यम से भेजे गए प्रत्यावेदन अथवा गठित समिति के अतिरिक्त दिए जाने वाले प्रत्यावेदन पर विचार नहीं किया जाएगा। समिति द्वारा उसके प्रत्यावेदन पर विचार कर उसे परीक्षा के लिए निर्धारित की गई तारीखों में से किसी अन्य दिन अथवा अंतिम तिथि या रिजर्व डे पर परीक्षा में शामिल होने के लिए निर्णय लिया जा सकता है। इसके बाद की कोई तिथि पुनर्निर्धारित नहीं की जाएगी।

यूपी: नर्सरी से 12वीं तक के स्कूलों में अवकाश घोषित,
यहां आ गया डीएम का आदेश; भारी बारिश के कारण लिया निर्णय

रामनगरी में नर्सरी से 12वीं तक के स्कूलों में अवकाश घोषित कर दिया गया है। डीएम के निर्देश पर बेसिक शिक्षा विभाग ने आदेश जारी कर दिया है। भारी बारिश के कारण यह निर्णय लिया गया। आगे पढ़ें पूरी खबर...अयोध्या में भारी बारिश को देखते हुए शुक्रवार को सभी स्कूल बंद रहेंगे। नर्सरी से इंटरमीडिएट तक के सभी बोर्डों के विद्यालयों में अवकाश रहेगा। जिला अधिकारी शशांक त्रिपाठी के निर्देश पर बेसिक शिक्षा विभाग और माध्यमिक शिक्षा विभाग ने इसका आदेश जारी किया है।अवकाश सभी सरकारी और निजी स्कूलों पर लागू होगा। बारिश के दौरान बच्चों की आवाजाही को देखते हुए प्रशासन ने एक दिन के लिए कक्षाएं स्थगित करने का फैसला लिया है। स्कूल प्रबंधन को आदेश का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।जिन विद्यालयों में डीएलएड की परीक्षाएं चल रही हैं, वहां परीक्षा पहले से तय कार्यक्रम के मुताबिक होगी। परीक्षा की तारीख और समय में कोई बदलाव नहीं किया गया है। प्रधानाचार्यों को निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार परीक्षा कराने के निर्देश दिए गए हैं।

विनीत मिनोचा हत्याकांड: '150 सवाल, 19 दिन और 24 घंटे रिमांड',
पुलिस ने यूं बेनकाब की साजिश, पढ़ें इनसाइड स्टोरी

Kanpur Murder News: विनीत मिनोचा हत्याकांड का सही मकसद और असली साजिशकर्ता बेनकाब करने में पुलिस को 19 दिन की कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। डीसीपी पश्चिम एसएम कासिम आबिदी की अगुवाई में 150 से अधिक सवालों और कस्टडी रिमांड पर हुए आमने-सामने की पूछताछ के बाद साफ हुआ कि मास्टरमाइंड बेटा सुब्रत ही था।कानपुर पुलिस ने विनीत मिनोचा हत्याकांड का छह अगस्त को ही खुलासा कर दिया था, लेकिन दोनों आरोपियों विशाल और राजकिशोर की गिरफ्तारी और विशाल की ओर से शालू का नाम लिया जाना पुलिस के लिए काफी नहीं था। पुलिस को शालू की गिरफ्तारी के पीछे बंदिशों की वजह समझ नहीं आ रही थी। बस, यहीं से पुलिस ने हत्या के कारण का पता लगाने के लिए अपनी जांच को जारी रखा। पुलिस को खुलासे में 19 दिन लग गए। सुब्रत, उसकी बहन शुभांगी और मां पुनीता से पूछताछ की। सुब्रत से थाने और पुलिस कमिश्नर दफ्तर बुलाकर पूछताछ की गई। जेल में शालू से भी सवाल-जवाब किए गए। इसके साथ ही सुब्रत की फर्म पर पहुंचकर कर्मचारियों को भी घेरा। बुधवार को 24 घंटे का रिमांड लिया।

दुकान में चोरी और पिता-पुत्र के बीच विवाद

यहां सुब्रत व विशाल का सामना कराया, तो 19 दिन पहले शालू का नाम लेने वाले विशाल की जुबान पर सुब्रत का नाम आ गया। डीसीपी पश्चिम एसएम कासिम आबिदी ने बताया कि दुकान में चोरी और पिता-पुत्र के बीच विवाद की बात, वहीं के कर्मचारियों से पता लगी थी। इस दौरान 150 सवाल किए गए, तब जाकर हत्या का सही साजिशकर्ता और वजह सामने आ सकी।

अदालत न वकील, पुलिस ने दिलाया इंसाफ

रतन आर्बिट अपार्टमेंट के लोगों का कहना है कि शालू ने जितने दिन भी दिन जेल में गुजारे हैं, उसका तो कोई मुआवजा नहीं मिलेगा, लेकिन पुलिस ने बिना वकील और अदालत के शालू को इंसाफ दिलाया वह सराहनीय है। कानून भी यही कहता है कि किसी बेगुनाह को सजा नहीं मिलनी चाहिए।

बेटे को बचाने के लिए पुनीता आगे आईं

पुलिस ने बताया कि विनीत की पत्नी पुनीता ने पुलिस के सामने खुलकर कोई बात नहीं कही। वह सिर्फ बहू शालू को ही आरोपी मानती रहीं। अब वह बेटे सुब्रत को बचाने के लिए अधिवक्ताओं के संपर्क में हैं। पूरे हालात से साफ है कि विनीत की अपनी पत्नी से भी नहीं पटरी खाती थी। यही वजह थी कि वह कानपुर कभी कदार ही आती थीं और कुछ दिन रुककर अपने काउंसलिंग के काम के लिए कभी लखनऊ तो कभी गाजियाबाद चली जाती थीं।

यूपी: पूरा प्रदेश चक्रवाती बारिश की चपेट में,
आज इन 42 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट; यहां हो सकता है वज्रपात

Weather in UP: यूपी में चक्रवाती बारिश का असर जारी है। मौसम विभाग के अनुसार लौटते हुए मानसून के बीच होने वाली यह बारिश तापमान पांच से छह डिग्री तक गिरा देगी। उत्तर प्रदेश में मौसम का मिजाज बदल गया है। बृहस्पतिवार को पूर्वांचल और तराई के कई जिलों में अच्छी बारिश हुई। तेज हवाओं के साथ हुई बारिश से तापमान में गिरावट आई। शुक्रवार को बारिश और तेज होने के आसार हैं।मौसम विभाग ने 13 जिलों में अति भारी बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। 29 जिलों में भारी बारिश का येलो अलर्ट है। 52 जिलों में 40 से 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से झोंकेदार हवाएं चल सकती हैं। बृहस्पतिवार को शाम तक प्रयागराज में 26, सुल्तानपुर में 20.8, अमेठी में 19.8 और गोरखपुर में 14.2 मिमी बारिश हुई। बाराबंकी, अयोध्या, गाजीपुर, बलिया, सोनभद्र और महाराजगंज में भी बारिश हुई। वरिष्ठ मौसम विज्ञानी अतुल कुमार सिंह ने बताया कि 25-26 सितंबर को कई इलाकों में अति भारी बारिश हो सकती है। इसका असर 27 सितंबर तक रहेगा। अगले चार दिनों में तापमान चार डिग्री तक गिर सकता है।

इन जिलों में है अति भारी वर्षा का ऑरेंज अलर्ट

बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, फतेहपुर, प्रतापगढ़, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बाराबंकी, रायबरेली, अमेठी, सुल्तानपुर, अयोध्या व आस पास के क्षेत्र ।

यहां है भारी बारिश का येलो अलर्ट

प्रयागराज, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, भदोही, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, देवरिया, गोरखपुर, संत कबीर नगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थ नगर, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, हरदोई, कानपुर देहात, कानपुर नगर, उन्नाव, लखनऊ, अंबेडकर नगर, हमीरपुर, महोबा एवं आस पास के क्षेत्र ।

यहां मेघगर्जन/वज्रपात और 40 -60 किमी प्रति घंटे वाली झोंकेदार हवा की चेतावनी

बांदा, चित्रकूट, कौशांबी, प्रयागराज, फतेहपुर, प्रतापगढ़, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, वाराणसी, संत रवि दास नगर, जौनपुर, गाजीपुर, आजमगढ़, मऊ, बलिया, देवरिया, गोरखपुर, संत कबीर नगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थ नगर, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुर खीरी, सीतापुर, हरदोई, फर्रुखाबाद, कन्नौज, कानपुर देहात, कानपुर नगर, उन्नाव, लखनऊ, बाराबंकी, रायबरेली, अमेठी, सुल्तानपुर, अयोध्या, अंबेडकर नगर, मैनपुरी, इटावा, औरैया, पीलीभीत, शाहजहांपुर, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी, ललितपुर एवं आस पास के क्षेत्र ।

काट दिया प्रेमिका का गला:
आधी रात को मिलने बुलाया, फिर बेरहमी से किया कत्ल; नेहा को इसलिए दी भयानक मौत

कासगंज में 18 वर्षीय नेहा की उसके प्रेमी समीर ने तीन दोस्तों के साथ मिलकर हत्या कर दी। पुलिस के अनुसार, रुपये-जेवर के लालच में नेहा को सुनसान जगह बुलाकर उसका गला रेत दिया गया।कासगंज के सदर कोतवाली के अशोक नगर में नेहा की उसके ही प्रेमी समीर ने हत्या कर दी। समीर ने रुपये और जेवर के लालच में अपने तीन दोस्तों के साथ मिलकर इस साजिश को अंजाम दिया और युवती का गला रेतकर शव को निर्वस्त्र कर छोड़ दिया। मूल रूप से जामा मस्जिद के पास का रहने वाला मुख्य आरोपी समीर बाइक चोरी के मामले में पहले भी जेल जा चुका है। पुलिस से बचने के लिए वह ठिकाना बदलकर अशोक नगर में किराये के एक मकान में रह रहा था।करीब तीन महीने पहले उसकी मुलाकात पड़ोस में रहने वाली नेहा से हुई जो पिछले तीन-चार साल से उसके दोस्त अरसद को जानती थी। बातचीत और मेल-जोल बढ़ने के बाद दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ गईं।इसी बीच समीर को पता चला कि नेहा के घर में कैश और जेवर रखे हैं। लालच में अंधे होकर उसने साथियों के साथ मिलकर हत्या की योजना बनाई और आधी रात को जेवर व रुपये लेकर मिलने के बहाने बुलाकर उसकी गला रेतकर हत्या कर दी।

वे शव को भी ठिकाने लगाने की फिराक में थे लेकिन अचानक किसी वाहन के आने और रोशनी होने से घबराकर वे शव को ट्यूबवेल की छत पर ही छोड़कर भाग निकले।

घर में थी सबकी लाडली

मृतका नेहा अपने परिवार में सबसे छोटी और पांचों भाइयों की लाडली बहन थी। उसके दो भाई दिल्ली और एक भाई मुंबई में रहकर काम करते हैं। घटना के बाद मां जाहिदा बेगम और बड़ी बहन निशा समेत पूरे परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है। एसपी ओपी सिंह ने बताया कि आरोपी समीर पूर्व में जेल जा चुका है। रुपये और जेवर के लालच में उसने अपने दोस्तों के साथ मिलकर इस हत्या को अंजाम दिया है। पुलिस अग्रिम वैधानिक कार्रवाई में जुटी है। -

बहन के मंगेतर को फंसाने की थी तैयारी

एसपी ओपी सिंह ने बताया कि आरोपी समीर ने वारदात से दो दिन पहले एक नया सिम एक्टिवेट कर युवती को दिया था। यह सिम मृतका की बहन निशा के मंगेतर बदायूं के सहसवान निवासी वसीम के नाम पर रजिस्टर्ड था ताकि हत्या के बाद शक की सुई वसीम की तरफ घूम जाए। मामले में वसीम से पूछताछ भी की गई थी। हालांकि, पुलिस जल्द ही इस पैंतरे को भांप गई। संवाद

दो दिन तक की पूरे इलाके की रेकी

आरोपियों ने हत्या के लिए दो दिन तक पूरे इलाके की रेकी की थी। आबादी से दूर, पुरानी रेलवे लाइन के पास फतेह सिंह के खेत की सूखी और सुनसान जगह को इसके लिए चुना गया। जहां रात में आवाजाही नहीं होती थी और आसपास मकान भी मौजूद नहीं थे।

पीएम मोदी: सेवा संकल्प अभियान पर

निकले युवाओं से प्रधानमंत्री का संवाद, बोले- लोगों से जुड़ना ही अद्भुत अनुभव

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेवा संकल्प अभियान के तहत वाराणसी से वडनगर जा रहे युवाओं से संवाद किया। युवाओं ने रास्ते में लोगों से हुई मुलाकात और उनके अनुभव प्रधानमंत्री को बताए। उन्नाव की एक बुजुर्ग महिला ने पक्के घर के लिए प्रधानमंत्री को धन्यवाद देने को कहा और अपना पुराना घर गिरने की घटना सुनाई। आइए, विस्तार से जानते हैं...

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सेवा संकल्प अभियान के तहत वाराणसी से वडनगर की यात्रा पर निकले युवाओं से संवाद किया। इस दौरान युवाओं ने रास्ते में लोगों से मुलाकात और सेवा से जुड़े अपने अनुभव प्रधानमंत्री के साथ साझा किए। अभियान 17 सितंबर से 17 अक्तूबर तक चल रहा है। प्रधानमंत्री के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने के मौके पर देश के अलग-अलग हिस्सों में कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस संवाद में जमीनी स्तर पर लोगों से मिलने और उनकी बातें सुनने के अनुभव सामने आए।

सेवा यात्रा पर निकले युवाओं ने पीएम मोदी को क्या बताया?

वाराणसी से वडनगर जा रहे समूह ने प्रधानमंत्री को बताया कि यात्रा का अनुभव बहुत अच्छा रहा। युवाओं ने रास्ते में अलग-अलग जगहों पर लोगों से बातचीत की और उनके अनुभव सुने। इसी दौरान उन्नाव जिले में एक बुजुर्ग महिला से हुई मुलाकात का किस्सा भी साझा किया गया। महिला ने जब युवाओं से पूछा कि वे कहां जा रहे हैं, तो उन्होंने बताया कि वे मोदी जी के गांव जा रहे हैं और लाभार्थियों से मिलकर उनका आशीर्वाद ले रहे हैं। इस पर महिला ने प्रधानमंत्री के लिए अपना संदेश दिया और उनसे धन्यवाद कहने को कहा।

उन्नाव की बुजुर्ग महिला ने प्रधानमंत्री को क्या संदेश दिया?

यात्रियों ने बताया कि बुजुर्ग महिला ने प्रधानमंत्री के लिए धन्यवाद का संदेश दिया। उन्होंने अपनी जिंदगी से जुड़ा एक अनुभव भी साझा किया। महिला ने बताया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत उन्हें पक्का घर मिला। उनके मुताबिक, अगर यह पक्का घर नहीं बना होता तो आज उनका परिवार सुरक्षित नहीं होता। उन्होंने बताया कि उनका पुराना कच्चा घर काफी जर्जर था और एक दिन जब वह उसके बाहर बैठी थीं, तभी वह ढह गया और एक ईंट लगने से उन्हें चोट भी आई। महिला ने कहा कि पक्का घर मिलने से उनके परिवार को बड़ी परेशानी से बचाया गया।

सेवा संकल्प अभियान में युवाओं की क्या भूमिका है?

सेवा संकल्प अभियान के तहत युवाओं की भागीदारी को खास महत्व दिया गया है। वाराणसी और वडनगर के बीच चल रही यात्रा केवल बाइक से एक जगह से दूसरी जगह पहुंचने तक सीमित नहीं है। इसमें रास्ते में लोगों से मिलना, सेवा गतिविधियों में भाग लेना और स्थानीय स्तर पर संवाद करना शामिल है। यात्रा के दौरान स्वच्छता अभियान, स्कूलों, अस्पतालों, नर्सिंग होम और दूसरे सामुदायिक स्थानों पर गतिविधियां भी की जा रही हैं।

पीएम मोदी ने लोगों से जुड़ने को क्यों बताया खास अनुभव?

प्रधानमंत्री ने सेवा यात्रा से जुड़े अनुभवों के दौरान लोगों के साथ सीधे संवाद के महत्व पर जोर दिया। यात्रा में शामिल युवाओं को अलग-अलग क्षेत्रों और समुदायों के लोगों से मिलने का मौका मिल रहा है। इससे उन्हें जमीन पर लोगों की जिंदगी और उनकी जरूरतों को समझने का अवसर मिलता है। अभियान के जरिए सेवा, युवा भागीदारी और समाज से सीधे जुड़ने की भावना को आगे बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने सरकार से मांगा जवाब

बाल यौन शोषण सामग्री रोकने के लिए क्या किया?

सुप्रीम कोर्ट ने सोशल मीडिया पर बाल यौन शोषण और दुर्व्यवहार सामग्री के प्रसार को रोकने के लिए उठाए गए कदमों पर केंद्र सरकार द्वारा जवाब न दिए जाने पर गहरी चिंता जताई है।

अदालत ने इस मामले में सरकार को अपनी रिपोर्ट पेश करने का अंतिम अवसर दिया है। जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस के. विनोद चंद्रन की पीठ ने इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा कानून और न्याय मंत्रालय को अपनी-अपनी रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया।

अदालत ने साफ किया कि दोनों मंत्रालय यह बताएं कि शीर्ष अदालत के सितंबर 2024 के फैसले को लागू करने और ऑनलाइन आपत्तिजनक सामग्री को रोकने के लिए अब तक क्या कदम उठाए गए हैं।पीठ जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन अलायंस की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स की ओर से ऐसी सामग्री की सूचना कानून प्रवर्तन एजेंसियों को अनिवार्य रूप से देने के निर्देशों को सख्ती से लागू करने की मांग की गई है।

मीडिया रिपोर्ट पर उठा मामला

केंद्र की ओर से पेश एडिशनल सॉलिसिटर जनरल के.एम. नटराज ने पीठ को बताया कि सरकार इस मुद्दे को पूरी गंभीरता से ले रही है और एक कंपनी के खिलाफ नोटिस जारी कर कार्रवाई भी शुरू की गई है। यह मामला तब उठा जब एक मीडिया रिपोर्ट में इंस्टाग्राम पर ऐसी आपत्तिजनक सामग्री को बढ़ावा देने वाले विज्ञापनों का आरोप लगाया गया था।

यूपी-बिहार समेत देश के इन राज्यों में होगी मूसलाधार बारिश

मूसलाधार बारिश, IMD ने जारी किया हाई अलर्ट!

25 सितंबर को देश के कई हिस्सों में मौसम खराब रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार, उत्तर प्रदेश और बिहार समेत कई राज्यों में तेज बारिश, आंधी-तूफान और बिजली कड़कने की चेतावनी जारी की गई है। ओडिशा, छत्तीसगढ़ और आंध्र प्रदेश में भी भारी बारिश का दौर जारी रहने की संभावना है। जम्मू-कश्मीर, लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में भी भारी बारिश के साथ आंधी-तूफान और बिजली गिरने का खतरा बताया गया है। पूर्वी उत्तर प्रदेश में विशेष रूप से तेज बारिश, गरज-चमक और आंधी की स्थिति बन सकती है। उत्तर-पश्चिम भारत के कुछ इलाकों में भी बारिश और तेज हवाओं के साथ मौसम में बदलाव देखने को मिल सकता है। उत्तर प्रदेश में सतही हवाएं चलने की भी संभावना है। मध्य भारत में मौसम की स्थिति और गंभीर हो सकती है।

पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश और विदर्भ में तेज बारिश के साथ आंधी और बिजली कड़कने की संभावना है। इन क्षेत्रों के कुछ हिस्सों में बहुत भारी बारिश भी हो सकती है। छत्तीसगढ़, पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश और विदर्भ में भारी से बहुत भारी बारिश के कारण स्थानीय स्तर पर जलभराव और यातायात प्रभावित होने जैसी स्थिति बन सकती है। छत्तीसगढ़ में मौसम के साथ तेज हवाओं का भी असर देखने को मिल सकता है और हवाओं की रफ्तार 70 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने की संभावना है। ऐसे मौसम में लोगों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। गरज-चमक के दौरान खुले मैदान, पेड़ या बिजली के खंभों के नीचे खड़े होने से बचना चाहिए और स्थानीय प्रशासन तथा मौसम विभाग की चेतावनियों का पालन करना चाहिए। किसानों और यात्रियों को भी अपने क्षेत्र के ताजा मौसम अपडेट पर नजर रखनी चाहिए। कुल मिलाकर 25 सितंबर को उत्तर भारत से लेकर मध्य और पूर्वी भारत तक कई राज्यों में बारिश और आंधी-तूफान का असर देखने को मिल सकता है। हालांकि, किसी विशेष जिले के लिए मौसम की स्थिति अलग हो सकती है, इसलिए स्थानीय पूर्वानुमान को प्राथमिकता देना जरूरी है।

पश्चिम एशिया संकट के बीच जॉर्डन और मिस्र

के विदेश मंत्रियों से मिले जयशंकर, कई मुद्दों पर हुई बात

भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने गुरुवार को संकटग्रस्त पश्चिम एशिया के दो अहम देशों, जॉर्डन और मिस्र के विदेश मंत्रियों से मुलाकात कर पश्चिम एशिया के हालात पर चर्चा की।

जॉर्डन के विदेश मंत्री अयमान सफादी के साथ बैठक के बाद डॉ. जयशंकर ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "पश्चिम एशिया-मध्य पूर्व पर हमारी चर्चा वास्तव में बहुत महत्वपूर्ण रही।"दरअसल, खाड़ी क्षेत्र के

किनारे स्थित जॉर्डन, खाड़ी संघर्ष के दौरान ईरान के हमलों का शिकार हुआ और इस क्षेत्र में एक अहम भूमिका निभाता है। मिस्र के विदेश मंत्री बद्र अब्देल अत्ती के साथ अपनी बैठक को एस जयशंकर ने क्षेत्रीय घटनाक्रमों की एक उपयोगी समीक्षा बताया।भारत के मिस्र के साथ ऐतिहासिक रूप से घनिष्ठ संबंध रहे हैं

, जो पश्चिम एशिया में एक बड़ी ताकत है। इस बीच, पश्चिम एशिया से जुड़े एक अन्य घटनाक्रम में, विदेश मंत्रालय में सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज ने दो राज्य समाधान को लागू करने के लिए ग्लोबल अलायंस की उच्च-स्तरीय मंत्रिस्तरीय बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व किया।विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पोस्ट में लिखा,

"भारत ने दो-राज्य समाधान के लिए अपने स्पष्ट और निरंतर समर्थन की पुष्टि की। भारत का दृष्टिकोण राजनीतिक प्रतिबद्धता के साथ व्यावहारिक समर्थन को जोड़ता है।" सऊदी अरब ने फिलिस्तीन और इजरायल के स्वतंत्र संप्रभु राष्ट्रों के रूप में शांति के साथ एक-दूसरे के बगल में मौजूद रहने वाले दो राज्य समाधान पर जोर देने के लिए आयोजित बैठक की अध्यक्षता की थी।

संयुक्त राष्ट्र महासभा दो राज्य समाधान के विचार का लगातार समर्थन करती रही है। इसी बीच एंटीगुआ और बारबुडा के प्रधानमंत्री गैस्टन ब्राउन से मुलाकात के दौरान विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा कि उन्होंने उन्हें आश्वस्त किया है कि भारत राष्ट्रमंडल शासनाध्यक्षों की बैठक (सीएचओजीएम) की सफलता के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इस बैठक की मेजबानी इस साल नवंबर में एंटीगुआ और बारबुडा करेगा।

उन्होंने आगे कहा, "हमारी विकास साझेदारी, क्षमता निर्माण और जलवायु परिवर्तन सहयोग आगे बढ़ रहा है।" भारत ने भारत-संयुक्त राष्ट्र विकास साझेदारी कोष के माध्यम से एंटीगुआ को 10 लाख डॉलर की सहायता दी है

, इसके अलावा तूफान में तबाह हुए अस्पताल के पुनर्निर्माण जैसे कार्यक्रमों के लिए सीधी मदद भी प्रदान की है।

भारत सरकार के खाते में नहीं जाएगा पैसा': यूपीआई पर एमडीआर शुल्क को लेकर सीतारमण ने दी सफाई, और क्या कहा?

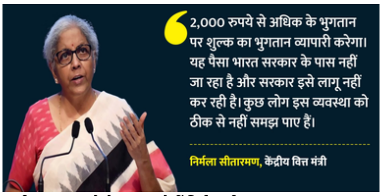

एमडीआर शुल्क को लेकर क्या बोलीं निर्मला सीतारमण?
केंद्रीय वित्त मंत्री ने कहा कि 2,000 रुपये से अधिक के भुगतान पर शुल्क का भुगतान व्यापारी करेगा। यह पैसा भारत सरकार के पास नहीं जा रहा है और सरकार इसे लागू नहीं कर रही है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इसका बोझ ग्राहक पर नहीं डाला जाएगा। वित्त मंत्री ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि ग्राहक इसको लेकर चिंतित हैं, क्योंकि सरकार स्पष्ट रूप से कह रही है कि इसका भुगतान उपभोक्ता को नहीं करना होगा। उन्होंने कहा कि कुछ लोग इस व्यवस्था को ठीक से नहीं समझ पाए हैं।निर्मला सीतारमण ने कहा कि 2,000 रुपये से अधिक के भुगतान पर एमडीआर शुल्क व्यापारी पर लागू होगा। उन्होंने बताया कि व्यापारी पहले से ही अन्य कार्डों के लेनदेन पर इस तरह के शुल्क का भुगतान करते हैं और उन मामलों में भी यह शुल्क ग्राहक पर नहीं डाला जाता। वित्त मंत्री ने कहा कि व्यापारी अलग-अलग ऑफर या अन्य तरीकों से ग्राहकों को लाभ दे सकते हैं, लेकिन इस शुल्क की व्यवस्था कई अन्य कार्ड भुगतान प्रणालियों में भी लागू है।

विपक्ष पर साधा निशाना
निर्मला सीतारमण ने इस मुद्दे को लेकर विपक्ष पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विपक्ष मुद्दों की तलाश कर रहा है और सरकार पर हमला करने के लिए उसके पास पर्याप्त मुद्दे नहीं हैं। उन्होंने कहा कि यह एनपीसीआई, पेमेंट बैंकों और मर्चेंट बैंकरों के बीच लिया गया पूरी तरह पेशेवर फैसला है। वित्त मंत्री ने कहा कि विपक्ष यह बताने की कोशिश कर रहा है कि यह फैसला सरकार ने लिया है और अब यह भी आरोप लगाया जा रहा है कि सरकार ने किसी दबाव में आकर ऐसा किया।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने यूपीआई भुगतान पर MDR शुल्क को लेकर कहा कि यह टैक्स, सेस या सरचार्ज नहीं है और इसकी राशि भारत सरकार के समेकित कोष में नहीं जाती। उन्होंने बताया कि यह शुल्क एनपीसीआई, एग्रीगेटर, सेवा प्रदाता, पीओएस मशीन उपलब्ध कराने वालों और मर्चेंट बैंक से जुड़ी व्यवस्था के तहत लिया जाता है।केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने यूपीआई भुगतान पर मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर शुल्क) को लेकर स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने कहा कि यह कोई टैक्स, सेस या सरचार्ज नहीं है और इससे मिलने वाली राशि भारत सरकार के कोष में नहीं जा रही है।निर्मला सीतारमण ने कहा कि पहले यह समझना जरूरी है कि यह सरकार का लगाया हुआ शुल्क नहीं है। उनके मुताबिक, एमडीआर शुल्क एनपीसीआई, एग्रीगेटर, सेवा प्रदाता, पीओएस मशीन उपलब्ध कराने वाले और मर्चेंट बैंक की ओर से लिया जा रहा है।उन्होंने कहा कि जिस सरकार ने कोविड महामारी और युद्ध जैसी परिस्थितियों का सामना किया है, भारत की संप्रभुता के लिए मजबूती से खड़ी रही है

सोशल मीडिया पर 35% भारतीय सिंगल्स एक्टिव: फिर भी असल जिंदगी में अकेलेपन का एहसास, गहरे रिश्तों की तलाश

सोशल मीडिया और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से लगातार जुड़े रहने के बावजूद 35% भारतीय सिंगल्स अकेलापन महसूस करते हैं। काम, पढ़ाई और करियर का दबाव उनके सामाजिक जीवन को प्रभावित कर रहा है। वहीं, युवा डेटिंग में सुरक्षा और समावेशिता को लेकर सतर्क हैं और कम लेकिन मजबूत दोस्ती के साथ गहरे, गंभीर व लॉन्ग-टर्म रिश्तों को प्राथमिकता दे रहे हैं।आज का युवा भले ही चौबीसों घंटे इंटरनेट और सोशल मीडिया के जरिये दुनिया से जुड़ा हो, लेकिन असल जिंदगी में वह गहरे अकेलेपन का शिकार है। मैच ग्रुप और इप्सोस के सर्वे में भारतीय युवाओं को लेकर एक चौंकाने वाला विरोधाभास (कनेक्शन पैराडॉक्स) सामने आया है। रिपोर्ट के मुताबिक, 35% भारतीय सिंगल्स अकेलापन महसूस करते हैं। युवाओं का कहना है कि डिजिटल दुनिया में कदम रखते ही सुरक्षा को लेकर बेहद सतर्क हैं और कम लेकिन मजबूत दोस्त बनाना चाहते हैं। 64 प्रतिशत : सिंगल्स दे रहे काम या पढ़ाई को तवज्जो।72% : कम लेकिन मजबूत दोस्त पसंद।भारतीय युवाओं से जुड़े प्रमुख आंकड़े 63% : गलत मैच होने से बेहतर है सिंगल रहना।

ऑनलाइन कनेक्शन, लेकिन असल जिंदगी में अकेलापन
युवाओं ने माना, वे ऑनलाइन तो लोगों से जुड़े रहते हैं, लेकिन असल में खुद को अकेला पाते हैं। इसकी बड़ी वजह काम का दबाव और करियर की चिंता है। युवा सामाजिक जीवन से ज्यादा काम व पढ़ाई को तवज्जो दे रहे हैं। 55% युवाओं का कहना है कि दिनभर की भागदौड़ के बाद वे इतने थक जाते हैं कि किसी से मिलने-जुलने की हिम्मत नहीं बचती।गंभीर और गहरे रिश्तों की तलाश में युवा
भारतीय युवा अब औपचारिक डेटिंग के बजाय गहरे और गंभीर रिश्तों की तलाश में हैं। 85% युवा लॉन्ग-टर्म रिश्ते चाहते हैं। जेन जी में यह आंकड़ा 89% है। 40% युवाओं को 'सच्चे प्यार' पर अटूट विश्वास है और डेटिंग एप का इस्तेमाल कर रहे। यह सर्वे 1,000 युवाओं से बातचीत पर आधारित है।

बीमा खरीदने वालों के लिए बड़ी खबर: कमीशन पर कैंची चलाने की तैयारी में आईआरडीएआई, क्या सस्ती होगी पॉलिसी?

आईआरडीएआई के प्रस्तावित बदलावों से लाइफ इंश्योरेंस, मोटर इंश्योरेंस और बैंकाश्योरेंस में कमीशन की मौजूदा व्यवस्था बदल सकती है। कमीशन की सीमा घटने और भुगतान को पॉलिसी अवधि में फैलाने से डिस्ट्रीब्यूशन लागत पर असर पड़ सकता है। इसका फायदा भविष्य में ग्राहकों को कम प्रीमियम के रूप में मिल सकता है, हालांकि इसका अंतिम प्रभाव नए नियमों के लागू होने और बीमा कंपनियों व डिस्ट्रीब्यूटर्स के व्यवहार पर निर्भर करेगा। आपने कभी सोचा है कि आप जो बीमा पॉलिसी खरीदते हैं, उसका प्रीमियम इतना ज्यादा क्यों होता है? इसका एक बड़ा कारण छिपा हुआ कमीशन होता है, जो बीमा कंपनियां बैंक, ब्रोकर और एजेंटों को देती हैं। बीमा नियामक इरडा ने अब इस व्यवस्था को बदलने के लिए बड़ा कदम उठाया है।

कमीशन की सीमा तय करने की तैयारी
नियामक ने कमीशन में संशोधन का प्रस्ताव रखा है। इसके तहत, लाइफ इंश्योरेंस के लिए बैंकों और ब्रोकरों के लिए पहले साल के प्रीमियम का कमीशन, जो कई उत्पादों में 40% से ज्यादा था, उसे घटाकर 5 से 20% के बीच किया जा सकता है। साथ ही, भारी-भरकम शुरुआती भुगतान के बजाय इसे पॉलिसी की अवधि में फैलाने का प्रस्ताव है।

बैंकों और वित्तीय संस्थानों पर बढ़ेगा दबाव?
विश्लेषकों के मुताबिक, इस बदलाव से सबसे ज्यादा दबाव उन बैंकों और वित्तीय संस्थानों पर आएगा जो बैंकाश्योरेंस (बैंकों के जरिये बीमा बेचना) के दम पर मोटा मुनाफा कमाते हैं। इसके अलावा, डीलर-लिंक मोटर ब्रोकर और वे बीमा कंपनियां जो पूरी तरह बैंक-केंद्रित सेल्स मॉडल पर निर्भर हैं, उनके कारोबार में कमी आ सकती है।

क्यों उठाना पड़ा यह कदम?
नियामक के आंकड़े बताते हैं कि डिस्ट्रीब्यूटरों का मुआवजा वास्तविक बिजनेस की तुलना में बहुत तेजी से बढ़ा है। वित्त वर्ष 2024-25 में लाइफ इंश्योरेंस कंपनियों ने केवल कमीशन के रूप में 60,800 करोड़ रुपये चुकाए, जो कि 18% की वृद्धि है। जबकि प्रीमियम में बढ़ोतरी महज 6.73 फीसदी ही रही। भारत दुनिया का 10वां सबसे बड़ा बीमा बाजार है, लेकिन वैश्विक औसत के मुकाबले यहां बीमा की पहुंच अभी भी काफी कम है। इसी असंतुलन को दूर करने और बाजार को पारदर्शी बनाने के लिए ये नए नियम लाए जा रहे हैं।

मोटर इंश्योरेंस के कमीशन पर भी बड़ा बदलाव
मोटर व्हीकल इंश्योरेंस में नए वाहनों के अनिवार्य थर्ड-पार्टी मोटर बीमा पर मिलने वाला 25 से 50 फीसदी तक का कमीशन पूरी तरह समाप्त किया जाएगा। पुराने वाहनों के नवीनीकरण पर भी बहुत सीमित भुगतान की अनुमति होगी।

ग्रामीण इलाकों के लिए अतिरिक्त प्रोत्साहन
ग्रामीण व छोटे कस्बों में बीमा की पहुंच बढ़ाने के लिए इन दरों पर 10 फीसदी से 20 फीसदी अतिरिक्त प्रोत्साहन दिया जाएगा।

क्या ग्राहकों के लिए सस्ता हो सकता है बीमा?
कमीशन सीधे तौर पर प्रीमियम के भीतर छिपा होता है, इसलिए वितरण लागत घटने से भविष्य में पॉलिसियां सस्ती हो सकती हैं।नए नियमों के तहत बैंक ग्राहकों को लोन देने के लिए बीमा खरीदने को बाध्य नहीं कर सकेंगे। यदि कोई बैंक बीमा के साथ कम ब्याज दर का ऑफर देता है, तो उसे दोनों दरें साफ बतानी होंगी और ग्राहक को किसी भी अन्य कंपनी से बीमा चुनने की पूरी आजादी देनी होगी।

कमजोर मानसून ने बढ़ाई सरकार की चिंता: चावल-गेहूं निर्यात पर फिर लग सकती है पाबंदी, दालों के आयात की तैयारी

देश में मानसून की बेरुखी और मौसम के बदलते मिजाज ने अब नीति निर्माताओं की नींद उड़ा दी है। कम बारिश और पानी की कमी के चलते चावल के साथ-साथ गेहूं का उत्पादन प्रभावित होने की आशंका है। ऐसे में महंगाई को थामने के लिए सरकार चावल और गेहूं के निर्यात पर फिर पाबंदी लगा सकती है। इस साल मानसून सीजन में बारिश सामान्य से 15 फीसदी कम दर्ज की गई है। यदि सितंबर के अंत तक स्थिति यही रही, तो यह 2009 (जब बारिश में 22 फीसदी कमी हुई थी) के बाद सबसे कमजोर मानसून साबित होगा। इसका सीधा असर खेती पर दिख रहा है, जहां खरीफ फसलों की बुवाई पिछले साल के मुकाबले 15 लाख हेक्टेयर पीछे चल रही है। खरीफ के बाद रबी पर भी संकट के बादल
संकट सिर्फ खरीफ तक सीमित नहीं है, बल्कि रबी सीजन पर भी इसका साया मंडरा रहा है। केंद्रीय जल आयोग के अनुसार, देश के 178 प्रमुख जलाशयों में कुल भंडारण क्षमता का केवल 131 बीसीएम पानी बचा है, जो पिछले साल इसी अवधि (165 बीसीएम) से लगभग 20 फीसदी कम है।क्षेत्रीय स्तर पर स्थिति और भी गंभीर है। दक्षिण भारत के जलाशयों में पानी का स्तर क्षमता से 48 फीसदी और उत्तर भारत में 36 फीसदी कम है। पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में रबी की फसलों की सिंचाई मुख्य रूप से हिमाचल प्रदेश और पंजाब के बांधों के पानी पर निर्भर करती है। जलाशयों में पानी कम होने और मिट्टी में नमी घटने से रबी की बुवाई प्रभावित हो सकती है।लेकिन उपभोक्ताओं को महंगाई की मार नहीं झेलनी पड़ेगी।

सर्राफा बाजार: सोना 1,600 रुपये, चांदी 5,000 रुपये लुढ़की; क्या क्रूड में उछाल और डॉलर मजबूती ने बढ़ाई बिकवाली

सोने-चांदी पर क्यों बढ़ा वैश्विक दबाव?
वैश्विक बाजारों में भी कीमती धातुओं पर दबाव समान रूप से दिखा। हाजिर सोना 33.74 अमेरिकी डॉलर या करीब 1 फीसदी गिरकर 4,253.61 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर आ गया। चांदी भी 1.4 फीसदी गिरकर 63.56 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर बंद हुई। कच्चे तेल की कीमतों में तेजी इन धातुओं के लिए एक और बाधा बन गई। मिराए एसेट शेयरखान के कमोडिटीज़ के प्रमुख प्रवीण सिंह ने कहा कि पश्चिम एशिया से आपूर्ति संबंधी चिंताओं के कारण कच्चा तेल उछला। इससे वैश्विक बाजारों में सोना 4,274 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस के नीचे फिसल गया। बढ़ती अमेरिकी ट्रेजरी आय और डॉलर सूचकांक का 101 अंक से ऊपर बढ़ना भी दबाव का कारण बना। बाजार भागीदार अब फेडरल रिजर्व की अक्तूबर की बैठक में ब्याज दर में बढ़ोतरी की 70 फीसदी संभावना मान रहे हैं। ऊंची ऊर्जा कीमतें वैश्विक केंद्रीय बैंकों के पास मौद्रिक नीति में ढील देने की गुंजाइश कम कर सकती हैं। निवेशक अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके चीनी समकक्ष शी जिनपिंग के बीच व्हाइट हाउस में होने वाली उच्च-स्तरीय बैठक पर भी नजर रख रहे थे। इस बातचीत में व्यापार, एआई और ईरान युद्ध जैसे मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है।

नई दिल्ली में सोने की कीमतें 1,600 रुपये गिरकर 1.52 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम हो गईं, जबकि चांदी 5,000 रुपये लुढ़ककर 2.37 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई। अमेरिकी डॉलर में मजबूती, कच्चे तेल के दाम में उछाल और भू-राजनीतिक जोखिमों ने सर्राफा बाजार पर दबाव डाला। राष्ट्रीय राजधानी में गुरुवार को सोने की कीमतों में 1,600 रुपये की गिरावट दर्ज की गई। यह लगातार चौथा सत्र था जब सोने के दाम गिरे। मजबूत अमेरिकी डॉलर और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों ने इस कीमती धातु पर दबाव डाला। सभी करों सहित, 99.9 फीसदी शुद्धता का सोना 1,52,400 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया, जो बुधवार के 1.54 लाख रुपये के बंद स्तर से कम था। चांदी भी दो सत्रों तक अपरिवर्तित रहने के बाद गिरावट के रुख में आ गई। यह 5,000 रुपये लुढ़ककर 2.37 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई। पिछले सत्र में सफेद धातु 2.42 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पर थी। स्थानीय कारोबारियों ने सोने में लगातार बिकवाली का कारण कमजोर वैश्विक रुझान और ऊंचे स्तरों पर मुनाफावसूली बताया। चांदी पर अधिक अस्थिरता और औद्योगिक मांग के प्रति संवेदनशीलता के कारण ज्यादा असर पड़ा।

द बोनस मार्केट अपडेट: शेयर बाजार में लौटी हरियाली; सेंसेक्स 176 अंक मजबूत हुआ, निफ्टी 23100 के पार

भारतीय शेयर बाजार में आज ओपनिंग किस स्तर पर हुई?
गुरुवार की भारी गिरावट के बाद आज घरेलू बेंचमार्क इंडेक्स की तरह भारतीय इंडेक्स भी सतर्क नजर आए। नैशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का प्रमुख सूचकांक निफ्टी 50 आज सुबह 23,221.80 के स्तर पर खुला। वहीं कल के बंद स्तर (23,063.10) के मुकाबले बाजार में शुरुआत में 100 से अधिक अंकों की बढ़त दर्ज की गई, जिससे शुरुआती कारोबार में निफ्टी 23,050 के ऊपर टिका रहा। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स भी शुरुआती घंटी बजते ही 100 से अधिक अंकों की तेजी के साथ खुला। शुरुआती कारोबार में बाजार निचले स्तरों से एक टेक्निकल बाउंस-बैक (सुधार) दिखाने की कोशिश कर रहा है। कल जहां हर सेक्टर लाल निशान में डूबा था, वहीं आज शुरुआत में स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और ट्रेंट जैसी कंपनियां टॉप गेनर्स की लिस्ट में शामिल होकर बाजार को सहारा दे रही हैं। हालांकि, बाजार में अभी भी ऊपरी स्तरों पर सावधानी देखी जा रही है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि कल की बड़ी गिरावट के बाद यह एक शॉर्ट-कवरिंग रैली हो सकती है,

भारतीय शेयर बाजार में कल की भारी गिरावट के बाद आज 25 सितंबर 2026 को शुरुआती कारोबार में हल्की रिकवरी देखने को मिली है। निफ्टी 50 और सेंसेक्स की ओपनिंग से लेकर बाजार के ताजा हाल और ट्रिगर्स को आसान भाषा में समझें। गुरुवार को बाजार में चौतरफा बिकवाली हुई थी जिससे निवेशकों के अरबों रुपये डूब गए। लेकिन शुक्रवार सुबह बाजार ने थोड़ी सी राहत की सांस ली है। वैश्विक बाजारों से मिले-जुले संकेतों और क्रूड ऑयल में मामूली नरमी की वजह से आज दलाल स्ट्रीट ने हरे निशान के साथ शुरुआत की है। सुबह 9 बजकर 29 मिनट पर सेंसेक्स 176.20 (0.23%) अंकों की बढ़त के साथ 73,756.74 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। वहीं निफ्टी 46.50 अंक मजबूत होकर 23,109.60 (0.20%) के स्तर पर कारोबार कर रहा था। शुरुआती कारोबार में रुपया डॉलर के मुकाबले 14 पैसे बढ़कर 95.85 पर पहुंच गया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध खत्म करने और होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के लिए एक चरणबद्ध समझौते पर चर्चा चल रही है। इस खबर से कच्चे तेल की कीमतों में थोड़ी नरमी आई है और यह लगभग $106 प्रति बैरल के आसपास बना हुआ है।

गोविंदा: 'क्या तकलीफ है'?

कोमल रानी संग डेटिंग रूमर्स पर चीची ने तोड़ी चुप्पी चर्चा करने वालों पर फूटा

Govinda On Dating Rumours With Komal Rani: अभिनेता गोविंदा बीते दिनों कोमल रानी स्वर्णकार के साथ लाला बाग के राजा के दर्शन करने पहुंचे थे। इसके बाद दोनों के कथित अफेयर की अफवाहों ने जोर पकड़ा। हाल ही में गोविंदा ने इस पर चुप्पी तोड़ी है।

अभिनेता गोविंदा लंबे वक्त बाद फिल्म 'रूपा' के जरिए कमबैक करने जा रहे हैं। इसमें उनके साथ अभिनेत्री कोमल रानी नजर आएंगी। इस फिल्म की चर्चा के साथ-साथ गोविंदा अपनी निजी जिंदगी को लेकर भी काफी सुर्खियों में हैं। कोमल रानी के साथ उनके कथित अफेयर की चर्चा फिल्मी गलियारों में चल रही हैं। इस बीच बीते दिन जब दोनों साथ में लाल बाग के राजा के दर्शन पहुंचे तो इन अफवाहों को और हवा मिल गई। इन पर अब गोविंदा ने प्रतिक्रिया दी है। गोविंदा ने कहा कि लाल बाग के राजा के पंडाल में कोमल के साथ जाना उनकी आगामी फिल्म से जुड़ा था। साथ ही कहा कि अफेयर की चर्चाएं उनके परिवार से दूर करने और उनकी इमेज खराब करने की एक सोची-समझी साजिश का हिस्सा हैं। गोविंदा ने एएनआई से बात करते हुए कहा, 'मैं अपनी फिल्म 'रूपा' के लिए प्रार्थना करने लाल बाग के राजा के दर्शन करने गया था। इससे पहले मैं करिश्मा कपूर के साथ भी मंदिरों में जा चुका हूं। वे मेरे लिए बहुत लकी साबित हुआ था। मेरी फिल्में बहुत बड़ी हिट रही थीं। मैं रवीना टंडन के साथ भी गया था। अब रानी स्वर्णकार के साथ गया हूं। मैंने प्रार्थना की, क्योंकि मैं लंबे समय बाद फिर से शुरू कर रहा हूं। गोविंदा ने कोमल रानी स्वर्णकार संग डेटिंग की अटकलों को सिरे से खारिज किया है। उन्होंने कहा, 'मैंने अभी-अभी फिल्म शुरू की है और अभी से ही इसके बारे में इतनी चर्चा हो रही है। लोग प्रतिक्रिया दे रहे हैं और पूछ रहे हैं कि इतनी चर्चा क्यों हो रही है? मुझे समझ नहीं आता कि अगर हम मशहूर हो रहे हैं तो लोगों को क्या परेशानी है'? इसके बाद गोविंदा ने दावा किया कि यह विवाद अचानक नहीं हुआ था, बल्कि उनकी छवि खराब करने की सोची-समझी कोशिश का हिस्सा था।

गोविंदा ने पर्सनल लाइफ को लेकर लगाई जा रही अटकलों पर कहा, 'यह किसी की गलती नहीं है। यह बहुत सोच-समझकर बनाया गया प्लान था। ऐसा और भी होगा। यह मुझे मेरे परिवार से दूर करने और फिर समाज में मेरी इमेज खराब करने के प्लान का हिस्सा था। उन्होंने पहले भी ऐसा करने की कोशिश की थी, लेकिन वे कभी सफल नहीं हुए। भगवान मेरे साथ थे। मैंने अपने काम के अलावा किसी और चीज पर ध्यान नहीं दिया। मैं बस काम करता रहा। कई लोग मेरे अच्छे व्यवहार की तारीफ करते थे। वे कहते थे कि मैं सादगी और अच्छाई में बहुत डूबा हुआ हूं। उन्हें हैरानी होती थी कि मैं फिल्म इंडस्ट्री में कैसे आ गया'।

मुश्ताक खान: मेरी एक टांग अनीस ने कैसे तैयार किया था 'वेलकम' का मशहूर डायलॉग? फिल्ममेकर ने सुनाया किस्सा

Sanjay Mishra Tribute To Mushtaq Khan: फिल्म 'वेलकम' में 'बल्लू' का किरदार निभा चुके मुश्ताक खान का 24 सितंबर को निधन हो गया। अभिनेता के निधन पर अनीस बज्मी ने बताया कि कैसे उनका 'वेलकम' फिल्म का मशहूर डायलॉग तैयार हुआ था। बॉलीवुड अभिनेता मुश्ताक खान ने 56 साल की उम्र में इस दुनिया को अलविदा कह दिया। इस बात की जानकारी सबसे पहले कॉमेडियन सुनील पाल ने दी। उनके मुताबिक, मुश्ताक लंबे समय से कैंसर से जूझ रहे थे। उन्होंने 24 सितंबर को मुंबई के नानावती अस्पताल में आखिरी सांस ली। यह खबर सुनते ही बॉलीवुड और टीवी जगत की कई हस्तियों ने मुश्ताक खान को श्रद्धांजलि दी। बता दें कि मुश्ताक खान ने साल 2007 में आई हिट कॉमेडी फिल्म 'वेलकम' में फैंस के पसंदीदा 'बल्लू' का किरदार निभाया था। इसी फिल्म से उनका डायलॉग 'मेरी एक टांग नकली है' काफी फेमस भी हुआ था। अब फिल्ममेकर ने इसके पीछे की कहानी बताई है कि कैसे यह डायलॉग बना।

कैसे बना 'वेलकम' का मशहूर डायलॉग

फिल्ममेकर अनीस बज्मी ने दिवंगत अभिनेता मुश्ताक खान को याद करते हुए फिल्म 'वेलकम' से जुड़ी एक यादगार कहानी साझा की। बज्मी ने बताया कि फिल्म में मुश्ताक खान के लिए शुरुआत में कोई बड़ा रोल नहीं था। इसके बावजूद उन्होंने फिल्म में काम करने के लिए हामी भर दी, जबकि उन्हें बताया गया था कि वह ज्यादातर समय बैकग्राउंड में ही नजर आएंगे।

गुरुवार को एएनआई से बात करते हुए बज्मी ने कहा, 'शुरुआत में मेरे पास मुश्ताक खान के लिए कोई बड़ा रोल नहीं था। मैंने उन्हें यह बात बताई और कहा कि वह बॉडीगार्ड के भी पीछे खड़े रहेंगे, लेकिन मैंने उन्हें भरोसा दिलाया कि कुछ न कुछ जरूर करेंगे। वे मुझे इतना मानते थे कि वे आ गए।'

फिल्म की शूटिंग शुरू होने के कुछ दिनों बाद बज्मी को एहसास हुआ कि मुश्ताक खान के किरदार के लिए डायलॉग भी होने चाहिए। शूटिंग के आठवें या नौवें दिन खान ने बज्मी से कहा कि अभी तक उनके पास फिल्म में कोई डायलॉग नहीं है। इसके बाद बज्मी ने उनके लिए एक खास हिस्सा तैयार करने का फैसला किया। बज्मी ने बताया, 'इसके बाद मैं पूरी रात बैठा और मुश्ताक खान के हिस्से पर काम किया।'

बज्मी ने आगे बताया, 'मैंने नाना पाटेकर और अनिल कपूर से कहा कि वे नहीं बोलेंगे, बल्कि उनके पीछे खड़ा आदमी बोलेगा। वे दोनों बहुत अच्छे कलाकार हैं और मेरे अच्छे दोस्त भी हैं। उन्होंने तुरंत हामी भर दी।' इसके बाद वह सीन बना, जिसमें मुश्ताक खान का मशहूर डायलॉग था, 'मेरी एक टांग नकली है, मैं हॉकी का बहुत बड़ा खिलाड़ी था।' बज्मी ने यह भी बताया कि कुछ समय बाद मुश्ताक खान ने उन्हें बताया था कि फिल्म में काम करने के कई साल बाद भी लोग उन्हें इसी डायलॉग से पहचानते हैं। बज्मी ने कहा, 'मुझे याद है कि मुश्ताक खान ने कुछ समय पहले मुझसे कहा था कि मेरा यकीन मानिए। मैंने इतनी सारी फिल्में की हैं, लेकिन आज भी लोग मुझे पहचानते हैं। मैं जहां भी जाता हूं, लोग मुझसे वही डायलॉग बोलने के लिए कहते हैं।'

मुश्ताक खान के अचानक निधन पर बज्मी ने बताया कि उन्हें दिन में ही खबर मिली थी कि खान की तबीयत खराब है। उस समय वह पुणे में थे और अस्पताल जाकर उनसे नहीं मिल सके। फिल्ममेकर ने कहा, 'शाम को मुझे खबर मिली कि वह नहीं रहे। यह बहुत दुख की बात है, क्योंकि वह हमारे बहुत अच्छे दोस्त थे। 'वेलकम' में मैंने उनके साथ बहुत अच्छा समय बिताया था। वह बहुत अच्छे इंसान और बहुत अच्छे अभिनेता थे।'

बज्मी ने यह भी बताया कि करीब दो महीने पहले ही उनकी मुश्ताक खान से मुलाकात हुई थी। दोनों ने साथ बैठकर बातें की थीं और पुरानी यादें ताजा की थीं। बज्मी ने कहा कि उन्हें खान की किसी गंभीर बीमारी के बारे में जानकारी नहीं थी। बज्मी ने आगे कहा, 'मुश्ताक ने मुझे कभी नहीं बताया कि उन्हें कोई परेशानी है। उनके बेटे ने भी मुझे नहीं बताया। मुझे नहीं पता था कि वह किसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे थे।'

गोविंदा: अनुपम खेर से मिली तारीफ के बाद क्या बोले चीची? दिग्गज एक्टर के साथ काम करने का अनुभव साझा किया

Govinda Heaps Praise on Anupam Kher: अभिनेता अनुपम खेर ने बीते दिनों गोविंदा की तारीफ की थी। अब इस पर गोविंदा की प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने अनुपम खेर संग काम करने का अनुभव साझा किया है। चर्चित अभिनेता गोविंदा हाल ही में अनुपम खेर की तारीफ करते नजर आए। उन्होंने साथ काम करने का अनुभव भी साझा किया और अनुपम खेर के शानदार व्यवहार की तारीफ की। बता दें कि गोविंदा का यह रिएक्शन तब आया है, जब हाल ही में अनुपम खेर ने भी उनकी दिल खोलकर तारीफ की। साथ ही निजी जिंदगी को लेकर उन्हें सलाह दी।

गोविंदा बोले- खुद कॉल करके बात करते हैं

समाचार एजेंसी एएनआई से बातचीत में गोविंदा ने कहा, 'वे (अनुपम खेर) देश के बहुत अच्छे कलाकारों में से एक हैं। जब मैंने उनके साथ काम किया, तो मैंने समझा कि वो कितने सरल, सुलभ और सहज इंसान हैं। वो हमेशा सबके बारे में सोचते हैं। अगर उन्हें लगता है कि शूट के बाद कुछ और बेहतर हो सकता था, तो वो खुद कॉल करके हमसे बात करते हैं'।

गोविंदा और अनुपम खेर की फिल्में

गोविंदा और अनुपम खेर ने 'क्यों की... मैं झूठ नहीं बोलता', 'जोड़ी नंबर 1', 'दीवाना मस्ताना', 'आंटी नंबर 1' और 'एक और एक ग्यारह' जैसी कई फिल्मों में साथ काम किया है। बता दें कि अनुपम खेर ने हाल ही में एक इंटरव्यू में गोविंदा की बहुत तारीफ की थी। यह तारीफ ऐसे समय में की गई है, जब गोविंदा इन दिनों लगातार अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर काफी चर्चा हो रही है।

गोविंदा का वर्क फ्रंट

गोविंदा इन दिनों कोमल रानी स्वर्णकार के साथ अपनी आने वाली फिल्म 'रूपा' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इसके जरिए चीची लंबे अरसे बाद कमबैक कर रहे हैं। उन्हें आखिरी बार 2019 की फिल्म 'रंगीला राजा' में देखा गया था। इसके बाद 2022 की डॉक्यूमेंट्री 'नाम था कन्हैयालाल' में देखा गया था।

गोविंदा पर क्या बोले अनुपम?

बीते दिनों अनुपम खेर ने भी एक बातचीत में गोविंदा की निजी जिंदगी के बारे में बात की थी और साथ ही गोविंदा के अभिनय की तारीफ की। फरीदून शहरयार से हुई बातचीत में अनुपम ने कहा, 'मैं गोविंदा का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं। मुझे लगता है कि वह उन बेहतरीन अभिनेताओं में से एक हैं जिनके साथ मैंने काम किया है।

मैंने उनके साथ 10-12 फिल्में की हैं। अभिनय, नृत्य और अभिनय में कोई भी उनका मुकाबला नहीं कर सकता।'

आगे अपनी बातचीत में अनुपम खेर ने कहा, 'आपको अपने निजी जीवन या अपनी आदतों को अपने पूरे जीवन पर हावी नहीं होने देना चाहिए। मुझे उस पर फैसला सुनाने का कोई अधिकार नहीं है। वह अपनी जिंदगी को बेहतर जानता है और वह इससे निपट सकता है।'

इंटरव्यू: किस वजह से खुद पर शक करती हैं परिणीति चोपड़ा? तीन घंटे में ही पढ़ डाली सात एपिसोड की स्क्रिप्ट

Parineeti Chopra Interview: वेब सीरीज 'शक: ट्रस्ट नो वन' रिलीज हो चुकी है। सीरीज में परिणीति चोपड़ा मुख्य किरदार निभा रही हैं। अमर उजाला से खास बातचीत में परिणीति ने फिल्म में अपने किरदार और अपने मां के तौर पर अपने व्यक्तिगत जीवन के विचारों पर बात की। जानें क्या कहा परिणीति ने...

परिणीति चोपड़ा की नई वेब सीरीज 'शक: ट्रस्ट नो वन' में हर किरदार पर शक की गुंजाइश बनी रहती है। कहानी आगे बढ़ती है और असली सच आखिर में सामने आता है। मगर अमर उजाला से खास बातचीत में उन्होंने असल जिंदगी में किसी पर शक करना या किसी रिश्ते को लेकर ज्यादा सोचने पर बात की। उन्होंने यह भी कहा कि अगर किसी के साथ उन्हें अच्छा महसूस नहीं होता, तो वह उससे दूरी बना लेती हैं। 'जिसके साथ खुश नहीं हूं, उसे जिंदगी से हटा देती हूं'

अमर उजाला से बातचीत में परिणीति कहती हैं, 'अगर मुझे किसी इंसान के साथ वाइब नहीं करती और मैं उसके साथ समय नहीं बिताना चाहती, तो मैं नहीं बिताती। मेरे पास इतना समय नहीं है कि मैं बैठकर किसी चीज को लेकर सोचती रहूं और टेंशन लूं। अगर मैं किसी चीज में सिर्फ 50 प्रतिशत हूं और उससे खुश नहीं हूं, तो मैं उसका बोझ लेकर आगे नहीं बढ़ना चाहती। मेरे लिए मन की शांति बहुत जरूरी है। लोगों के साथ भी मैं ऐसी ही हूं। अगर मुझे किसी के साथ समय नहीं बिताना है, तो मैं नहीं बिताऊंगी। मैं उन चीजों और लोगों को बहुत आसानी से अपनी जिंदगी से हटा देती हूं, जिन्हें मैं पसंद नहीं करती या जिनके साथ खुश नहीं हूं। मैं ज्यादा सोचती नहीं हूं। मैं बस खुश रहना चाहती हूं और हर वक्त मुस्कुराना चाहती हूं।' परिणीति आगे कहती हैं कि वह अपने मन की बात छिपाकर नहीं रखतीं। जो महसूस करती हैं, सीधे कह देती हैं। उन्होंने कहा, 'मैं खुली किताब की तरह हूं। मैं अपने दिल में कुछ रखती नहीं हूं। मैं बहुत मुंहफट हूं, जो महसूस करती हूं बोल देती हूं। इसलिए मुझे नहीं लगता कि मेरे आसपास के लोग कभी यह सोचते होंगे कि मेरे दिमाग में क्या चल रहा है या मैं क्या सोच रही हूं। मैं चाहती हूं कि रात को घर जाऊं तो लगे कि आज का दिन आराम से बीता। मेरी जिंदगी आसान, रिलैक्स और टेंशन फ्री रहे। अगर मेरी जिंदगी में हर वक्त शक और टेंशन रहेगी तो मैं पागल हो जाऊंगी। इसलिए मैं ऐसा होने ही नहीं देती।'दूसरों पर शक करने से दूर रहने वाली परिणीति मानती हैं कि खुद पर शक होना अलग बात है। खासकर मां बनने के बाद। वह कहती हैं, 'बेशक, आप खुद पर शक करते हैं। मां बनने के बाद तो आप अपने हर काम को लेकर सोचते हैं कि मैंने सही किया या नहीं। इतनी सारी चीजें होती हैं, इसलिए एक अच्छा सपोर्ट सिस्टम बहुत जरूरी है, ताकि आपको पता हो कि आप अकेले नहीं हैं। मां बनने के बाद आप हमेशा के लिए बदल जाते हैं। सब कुछ बहुत ज्यादा हो जाता है। खासकर अभी मेरे लिए, क्योंकि मैं नई मां हूं और मेरा बेबी है।'

परिणीति आमतौर पर स्क्रिप्ट पढ़ने में काफी समय लेती हैं, लेकिन 'शक' की कहानी ने उन्हें ऐसा मौका ही नहीं दिया। अभिनेत्री के मुताबिक, 'आजकल थ्रिलर में कई बार पहले ही पता चल जाता है कि आगे क्या होने वाला है। इसलिए मुझे लगा कि शायद यह भी कोई सामान्य कहानी होगी। मैं बहुत सारी किताबें पढ़ती हूं

Aaj ka Rashifal 25 September

मेष, धनु और कुंभ की आर्थिक स्थिति होगी मजबूत, मिल सकता है प्रमोशन का संकेत

Rashifal 25 September 2026: आज का दिन कुछ राशियों के लिए करियर और आर्थिक मामलों में नए अवसर लेकर आ सकता है, तो कुछ लोगों को रिश्तों और फैसलों में सावधानी बरतनी होगी। जानें मेष, कर्क, सिंह, कन्या, कुंभ और मकर राशि वालों के लिए आज का दिन कैसा रहेगा।

Rashifal 25 September 26: आज अनंत चतुर्दशी का पर्व है और इस दिन ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति में बदलाव का असर सभी राशियों के जीवन पर अलग-अलग रूप में देखने को मिल सकता है। इस दिन चंद्रमा कुंभ राशि में रहेगा और सुबह शतभिषा नक्षत्र का प्रभाव रहेगा, जिसके बाद पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र शुरू होगा। वहीं शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी तिथि और शूल योग की स्थिति भी दिन की ज्योतिषीय गणनाओं में महत्वपूर्ण रहेगी। ग्रहों की इस स्थिति के कारण कुछ राशि वालों के लिए दिन नई संभावनाएं लेकर आ सकता है, जबकि कुछ लोगों को अपने काम और फैसलों में अधिक सावधानी बरतनी पड़ सकती है। ज्योतिषीय गणनाओं के आधार पर सभी 12 राशियों के लिए 25 सितंबर का दिन खास बदलाव लेकर आ सकता है।

मेष

आज का दिन आपके लिए सुकून और संतुलन लेकर आएगा। धार्मिक या आध्यात्मिक माहौल में समय बिताने से मन को शांति मिलेगी। कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत रंग ला सकती है और प्रमोशन या प्रशंसा की खुशखबरी मिल सकती है। कोई पुरानी इच्छा पूरी होने से चेहरे पर खुशी आएगी। माता-पिता का स्नेह और आशीर्वाद आपका आत्मविश्वास बढ़ाएगा। प्रेम संबंधों में साथी की भावनाओं को समझना रिश्ते में और गहराई लाएगा।

वृषभ

आज आपको कई मामलों में लाभ और संतोष मिल सकता है। परिवार में शांति बनाए रखने में आपकी भूमिका महत्वपूर्ण रहेगी। किसी जरूरी या निजी बात को हर किसी के साथ साझा करने से बचें। वाहन चलाते समय विशेष सावधानी रखें। संतान से जुड़ी कोई बात थोड़ी चिंता दे सकती है, लेकिन धैर्य से स्थिति संभल जाएगी। रचनात्मक कार्यों में मन लगेगा और कुछ नया करने की इच्छा भी जागेगी।

मिथुन

आज आपकी नेतृत्व क्षमता और आत्मविश्वास लोगों का ध्यान खींचेंगे। रास्ते में चुनौतियां जरूर आएंगी, लेकिन आप अपनी सूझबूझ से उनका सामना करने में सफल रहेंगे। मन में नया कारोबार शुरू करने का विचार आकार ले सकता है। संतान की खुशी के लिए वाहन या किसी बड़ी वस्तु की खरीदारी पर विचार हो सकता है। पुराने कर्ज को कम करने की दिशा में भी अच्छी शुरुआत होगी। योग और व्यायाम से शरीर और मन दोनों को लाभ मिलेगा।

कर्क

आज अचानक बढ़ते खर्च आपके बजट को थोड़ा बिगाड़ सकते हैं, इसलिए पैसों के मामले में समझदारी जरूरी होगी। नौकरी बदलने का विचार चल रहा है तो जल्दबाजी करने के बजाय परिस्थितियों को थोड़ा और समझें। अपने काम में ईमानदारी और निरंतरता बनाए रखना आपके लिए लाभदायक रहेगा। स्वास्थ्य को लेकर छोटे उतार-चढ़ाव परेशान कर सकते हैं। जीवनसाथी के साथ मिलकर संतान के भविष्य से जुड़ा कोई महत्वपूर्ण निर्णय लिया जा सकता है।

सिंह

आज किसी नए काम की शुरुआत के लिए समय उत्साह बढ़ाने वाला रहेगा। रिश्तों में प्रेम और अपनापन बढ़ेगा और घर का वातावरण भी खुशनुमा रहेगा। हालांकि कारोबार में बड़े बदलाव करने से फिलहाल बचना बेहतर होगा। पूजा-पाठ या किसी धार्मिक आयोजन में शामिल होने का अवसर मिल सकता है। जीवनसाथी के साथ खरीदारी और सुखद समय बिताने का मौका मिलेगा। विद्यार्थियों का पढ़ाई के प्रति ध्यान अच्छा बना रहेगा।

कन्या

आज मेहनत और लगन आपको कामकाज में नई ऊंचाइयों तक पहुंचा सकती है। परिवार में प्रेम और आपसी तालमेल बना रहेगा। दूर रहने वाले किसी प्रिय व्यक्ति की याद मन को भावुक कर सकती है। नौकरीपेशा लोग प्रमोशन या अपनी प्रगति को लेकर वरिष्ठ अधिकारियों से बातचीत कर सकते हैं। राजनीति से जुड़े लोगों के लिए नई जिम्मेदारी या पद की चर्चा हो सकती है। स्वास्थ्य में शुगर या बीपी जैसी समस्याओं को लेकर लापरवाही न करें।

तुला

आज का दिन कुछ अतिरिक्त सावधानी की मांग करेगा। परिस्थितियां चुनौतीपूर्ण हो सकती हैं और जल्दबाजी में लिया गया फैसला परेशानी बढ़ा सकता है। आर्थिक मामलों में किसी पर आंख बंद करके भरोसा करने से बचें। परिवार के साथ खुलकर बातचीत करने से पुरानी गलतफहमियां दूर हो सकती हैं। कारोबार में साझेदारी से जुड़े फैसले सोच-समझकर लें। यात्रा की कोई योजना भी बन सकती है, जो आगे चलकर उपयोगी साबित होगी।

वृश्चिक

आज आपके लिए धैर्य और शांत रहना सबसे जरूरी रहेगा। पिछले दिनों की थकान या मानसिक दबाव से धीरे-धीरे राहत महसूस होगी। काम के बीच खुद के लिए थोड़ा समय निकालना आपको तरोताजा रखेगा। जीवनसाथी के साथ चल रही नाराजगी को बातचीत और प्यार से दूर करने की कोशिश करें। यात्रा के दौरान कोई महत्वपूर्ण या उपयोगी जानकारी मिल सकती है। परिवार में विवाह से जुड़ी खुशखबरी आने से वातावरण उत्साह और आनंद से भर सकता है।

धनु

करियर के लिहाज से आज का दिन नई संभावनाओं के दरवाजे खोल सकता है। आगे बढ़ने और तरक्की करने के अवसर सामने आएंगे। विदेश में पढ़ाई का सपना देख रहे विद्यार्थियों को कोई अच्छा मौका मिल सकता है। कार्यस्थल की राजनीति से खुद को दूर रखना ही आपके लिए बेहतर रहेगा। आत्मविश्वास बढ़ेगा और व्यापार में आर्थिक लाभ के अच्छे अवसर बन सकते हैं। सही समय पर लिया गया फैसला आपकी स्थिति को और मजबूत कर सकता है।

मकर

आज का दिन कुछ उतार-चढ़ाव के साथ आगे बढ़ेगा। दोस्तों के साथ बातचीत या मुलाकात से मन हल्का और प्रसन्न रहेगा। हालांकि पर्दे के पीछे विरोध करने वालों से थोड़ा सतर्क रहना जरूरी होगा। दिखावे या अनावश्यक खरीदारी में जरूरत से ज्यादा खर्च करने से बचें। निवेश से जुड़े लोगों को कुछ सकारात्मक संकेत मिल सकते हैं, लेकिन सोच-समझकर निर्णय लेना जरूरी है। जमीन-जायदाद को लेकर परिवार में चर्चा हो सकती है। घर में किसी नए मेहमान के आने से खुशियां बढ़ेंगी।

कुंभ

आज कारोबार में कुछ रुकावटें आपको परेशान कर सकती हैं, लेकिन आपकी समझदारी और धैर्य से परिस्थितियां संभल जाएंगी। दांपत्य जीवन में प्रेम और अपनापन बना रहेगा। किसी रिश्तेदार की ओर से अच्छी खबर मिल सकती है। परिवार के किसी सदस्य की तबीयत बिगड़ने से अचानक जिम्मेदारियां और भागदौड़ बढ़ सकती है। अनजान व्यक्ति की बातों पर तुरंत भरोसा करने के बजाय पहले पूरी जानकारी हासिल करें।

मीन

आज जिम्मेदारियों के कारण दिन काफी व्यस्त रह सकता है। वैवाहिक जीवन में छोटी-छोटी बातों को लेकर नोकझोंक हो सकती है, इसलिए बातचीत में संयम रखें। कामकाज में बड़ा जोखिम लेने से फिलहाल बचना समझदारी होगी। परिवार की किसी समस्या को नजरअंदाज करने के बजाय समय रहते उस पर ध्यान दें। मन में चल रही बात किसी भरोसेमंद व्यक्ति या पिता के साथ साझा करने से मन हल्का हो सकता है। विद्यार्थियों के लिए उच्च शिक्षा के नए अवसर सामने आ सकते हैं।

Aaj Ka Love Rashifal

आज का लव राशिफल 25 सितंबर: वृष, सिंह और धनु के प्रेम जीवन में खुशियां दस्तक देंगी, रिश्ते होंगे मजबूत

Love Rashifal 25 September 2026: आज प्रेम जीवन में कुछ राशियों के लिए खुशियां बढ़ेंगी, तो कुछ लोगों को रिश्तों में समझदारी और धैर्य से काम लेना होगा। जानें मेष से मीन तक सभी राशियों का आज का लव राशिफल।

Aaj Ka Love Rashifal 25 September 2026: प्रेम जीवन में आज का दिन कई राशियों के लिए भावनाओं और रिश्तों के लिहाज से खास रह सकता है। किसी के रिश्ते में नजदीकियां बढ़ सकती हैं, तो किसी को पार्टनर के साथ चल रही गलतफहमियों को दूर करने का मौका मिलेगा। वहीं, सिंगल लोगों के लिए भी किसी खास व्यक्ति से बातचीत शुरू होने या नए रिश्ते की संभावना बन सकती है। आज कुछ राशियों को अपने पार्टनर के साथ खुलकर बातचीत करने और एक-दूसरे की भावनाओं को समझने की जरूरत होगी। छोटी-सी बात को लेकर नाराजगी रिश्ते में दूरी न बढ़ाए, इसलिए धैर्य रखना बेहतर रहेगा। कुछ लोगों के लिए दिन रोमांस और साथ में अच्छा समय बिताने के अवसर लेकर आ सकता है। जानें 25 सितंबर 2026 को मेष से मीन तक सभी 12 राशियों के लिए प्रेम जीवन कैसा रहेगा, किस राशि के रिश्ते में बढ़ेगा प्यार और किन लोगों को आज सावधानी से आगे बढ़ना होगा।

बुध गोचर 2026: 26 सितंबर से इन 3 राशियों की बढ़ सकती हैं मुश्किलें, जानें बचाव के उपाय

बुध 26 सितंबर 2026 को तुला राशि में प्रवेश करेंगे। ज्योतिषीय गणना के अनुसार इस गोचर का प्रभाव तीन राशियों के लिए चुनौतीपूर्ण रह सकता है। ऐसे में इन राशि वालों को धन, नौकरी और महत्वपूर्ण निर्णयों के मामले में विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी जाती है।

ज्योतिष में ग्रहों के राशि परिवर्तन को विशेष महत्व दिया जाता है। बुध को बुद्धि, संवाद, तर्क, व्यापार और निर्णय क्षमता का कारक माना जाता है। इसलिए जब बुध एक राशि से दूसरी राशि में प्रवेश करते हैं, तो ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार इसका प्रभाव सभी राशियों पर अलग-अलग हो सकता है। कुछ जातकों के लिए यह समय प्रगति के अवसर लेकर आता है, जबकि कुछ को कामकाज और आर्थिक मामलों में अधिक सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है।

बुध 26 सितंबर 2026 को तुला राशि में प्रवेश करेंगे।

अंक ज्योतिष 25 सितंबर: मूलांक 6 और 7 वालों के रिश्तों में दूर होगी गलतफहमी, पढ़ें दैनिक अंक ज्योतिषफल

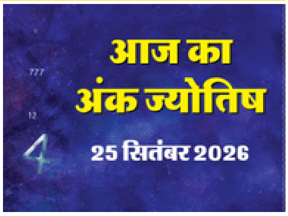

Ank Jyotish 25 September 2026: अंक ज्योतिष के अनुसार आज का दिन मूलांक 1 से 9 वालों के लिए अलग-अलग परिणाम लेकर आ सकता है। किसी को करियर में सफलता मिलेगी, तो किसी के लिए धन और रिश्तों के मामले में दिन खास रहेगा। जानें आज का अंक भविष्यफल।

Ank Jyotish 25 September 2026: अंक ज्योतिष में जन्मतिथि से प्राप्त मूलांक के आधार पर व्यक्ति के दिन से जुड़े संभावित प्रभावों का आकलन किया जाता है। आज 25 सितंबर 2026 को भी मूलांक 1 से 9 तक के जातकों के लिए दिन के परिणाम अलग-अलग रह सकते हैं। किसी के लिए कामकाज और करियर में आगे बढ़ने के अवसर बनेंगे, तो किसी को आर्थिक मामलों में सोच-समझकर कदम उठाने की जरूरत पड़ सकती है। आज कुछ मूलांक वालों का आत्मविश्वास बढ़ेगा और वे महत्वपूर्ण फैसले लेने में खुद को अधिक सहज महसूस करेंगे। मूलांक 1 से 9 तक के जातकों के लिए 25 सितंबर 2026 का दिन कैसा रहेगा, किस मूलांक को मिल सकता है लाभ और किसे किन मामलों में सावधानी बरतनी होगी

अक्तूबर लकी राशिफल 2026: अक्तूबर माह में मेष-कन्या सहित इन राशि वालों की बदलेगी किस्मत, शुरू होंगे अच्छे दिन

October Lucky Horoscope 2026: अक्तूबर माह की शुरुआत कुछ राशि वालों के लिए बेहद खास रहने वाली है। ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार, इस महीने कई बड़े ग्रह राशि परिवर्तन करेंगे, जिससे कुछ राशि वालों का भाग्योदय हो सकता है। मनचाही सफलता के योग बनेंगे।

October Lucky Horoscope 2026: अक्तूबर माह की शुरुआत कुछ राशि वालों के लिए बेहद खास रहने वाली है। ज्योतिषीय गणनाओं के अनुसार, इस महीने कई बड़े ग्रह राशि परिवर्तन करेंगे, जिसका प्रभाव सभी 12 राशियों के जातकों के जीवन पर देखने को मिलेगा। अक्तूबर में सूर्य अपनी चाल बदलेंगे और कई महत्वपूर्ण ग्रहों की स्थिति में भी बदलाव आएगा। इस दौरान त्रिग्रही योग का निर्माण होगा, वहीं गुरु भी अपना राशि परिवर्तन करते हुए साल का बड़ा गोचर करेंगे। इस दौरान वह कर्क राशि में अपनी यात्रा को विराम देकर सिंह राशि में प्रवेश करेंगे। इसके अलावा चंद्रमा भी समय-समय पर परिवर्तन करते हुए कई शुभ योगों का निर्माण करेंगे। ग्रहों की इन बदलती स्थितियों का लाभ कुछ राशि वालों को मिल सकता है। करियर में आगे बढ़ने के नए अवसर मिलने के साथ आर्थिक स्थिति में भी सुधार के योग बनेंगे। आइए जानते हैं अक्तूबर माह की इन लकी राशियों के बारे में।

मेष राशि

मेष राशि वालों के लिए अक्तूबर का महीना सफलता लेकर आ सकता है। इस दौरान नौकरी और करियर से जुड़े लेकर किए गए आपके प्रयास सफल हो सकते हैं। परिवार में आपके खुशियां बनी रहेंगी। धन लाभ होता रहा है और नौकरी नौकरीपेशा जातकों को कार्यक्षेत्र में नए और बेहतर अवसर मिलेंगे, जिससे उन्हें आगे बढ़ने का मौका मिल सकता है। छात्रों के लिए समय और भी खास रहेगा, क्योंकि मेहनत का उचित परिणाम मिलने से आत्मविश्वास भी बढ़ेगा।

आईपीएल 2027: अश्विन ने उठाया राज से पर्दा

जहीर खान से पहले इस दिग्गज को कोच बनाना चाहती थी चेन्नई सुपर किंग्स

स्टीफन फ्लेमिंग के बाद सीएसके ने नए हेड कोच की तलाश में आशीष नेहरा समेत कई बड़े नामों पर विचार किया था। रविचंद्रन अश्विन ने बताया कि आखिर में जहीर खान की नियुक्ति हुई और वह धोनी के साथ उनकी अच्छी बॉन्डिंग को टीम के लिए अहम मानते हैं। चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने स्टीफन फ्लेमिंग के उत्तराधिकारी की तलाश के दौरान कई बड़े नामों पर विचार किया था। भारतीय क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन ने खुलासा किया है कि आशीष नेहरा भी फ्रेंचाइजी के कोचिंग प्लान में शामिल थे। हालांकि, अंत में सीएसके ने जहीर खान को अपना नया हेड कोच नियुक्त किया।

फ्लेमिंग के बाद शुरू हुई नए कोच की तलाश

स्टीफन फ्लेमिंग लंबे समय तक सीएसके के मुख्य कोच रहे। बाद में उन्होंने इंग्लैंड की रेड-बॉल टीम की जिम्मेदारी संभाल ली। इसके बाद सीएसके ने नए हेड कोच की तलाश शुरू की और इस दौरान कई भारतीय और विदेशी कोचों के नाम पर चर्चा हुई। रविचंद्रन अश्विन ने अपने यूट्यूब चैनल पर बताया कि आशीष नेहरा भी किसी समय इस दौड़ में शामिल थे। उन्होंने कहा, 'कई कोचों के साथ बातचीत हुई थी। अगर मैं गलत नहीं हूं तो आशीष नेहरा भी किसी समय इस फ्रेम में थे।'

कई भारतीय और विदेशी नामों पर हुई चर्चाअश्विन के मुताबिक, सीएसके की तलाश सिर्फ आशीष नेहरा तक सीमित नहीं थी। फ्रेंचाइजी ने दो अन्य भारतीय दिग्गजों और कई विदेशी कोचों से भी संपर्क किया था। हालांकि, कुछ संभावित डील अलग-अलग कारणों से पूरी नहीं हो सकीं।

अश्विन ने बताया कि कुछ विदेशी कोच एक साल के कॉन्ट्रैक्ट के लिए तैयार नहीं थे। वहीं, एक मामले में डील लगभग तय हो गई थी, लेकिन अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में काम नहीं कर पाने की वजह से संबंधित कोच को आर्थिक नुकसान की आशंका थी।

जहीर खान की नियुक्ति पर अश्विन ने जताया भरोसा

अश्विन ने सीएसके के नए हेड कोच के तौर पर जहीर खान की नियुक्ति का समर्थन किया। उन्होंने जहीर को क्रिकेट की अच्छी समझ रखने वाला और स्मार्ट क्रिकेट दिमाग वाला व्यक्ति बताया। अश्विन ने कहा कि जहीर क्रिकेट को अच्छी तरह समझते हैं और उनकी गेंदबाजी रणनीतियों पर मजबूत पकड़ है। उनके मुताबिक, जहीर टीम के साथ अच्छी तरह घुल-मिल सकते हैं।

धोनी के साथ जहीर की अच्छी बॉन्डिंग भी अहम

अश्विन ने जहीर खान और एमएस धोनी के रिश्ते को भी सीएसके के नए सेटअप के लिए अहम बताया। उन्होंने कहा कि दोनों की अच्छी बॉन्डिंग है और इससे टीम के एक दिशा में आगे बढ़ने में मदद मिल सकती है। अश्विन के मुताबिक, जहीर के लिए यह हेड कोच के तौर पर एक नई शुरुआत होगी, हालांकि सीएसके में धोनी के साथ उनकी अच्छी समझ इस बदलाव को सहज बना सकती है।

आईपीएल में पहले भी कोच की भूमिका निभा चुके हैं जहीर

जहीर खान के पास आईपीएल में कोचिंग और मैनेजमेंट का अनुभव पहले से है। वह 2024 से 2025 तक लखनऊ सुपर जायंट्स के मेंटर रहे। इससे पहले वह मुंबई इंडियंस के डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट की भूमिका भी निभा चुके हैं। 2022 में उन्हें मुंबई इंडियंस के ग्लोबल हेड ऑफ क्रिकेट डेवलपमेंट की जिम्मेदारी दी गई थी। स्टीफन फ्लेमिंग के जाने के बाद जहीर खान की नियुक्ति सीएसके के कोचिंग सेटअप में एक नए दौर की शुरुआत है।तीय तेज गेंदबाज के कंधों पर है।

पाकिस्तान क्रिकेट का हाल-बेहाल:

बाबर आजम से ज्यादा मशहूर हैं फातिमा सना? पूर्व चयनकर्ता का चौंकाने वाला बयान

बाबर आजम के खराब फॉर्म के बीच पाकिस्तान के पूर्व चयनकर्ता मोहम्मद वसीम ने फातिमा सना को उनसे बेहतर बताया है। वसीम के मुताबिक, फातिमा अपने ऑलराउंड प्रदर्शन के दम पर मौजूदा समय में पाकिस्तान क्रिकेट की बड़ी स्टार बनकर उभरी हैं। पाकिस्तान क्रिकेट में इस समय पुरुष और महिला क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों को लेकर एक पूर्व चयनकर्ता के बयान ने नई बहस छेड़ दी है। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर और राष्ट्रीय टीम के मुख्य चयनकर्ता रह चुके मोहम्मद वसीम ने महिला टीम की कप्तान फातिमा सना को लोकप्रियता और प्रदर्शन के मामले में बाबर आजम से आगे बताया है। उन्होंने कहा कि फातिमा ने अपने प्रदर्शन के दम पर यह मुकाम हासिल किया है।

फातिमा सना को बताया मौजूदा सुपरस्टार

मोहम्मद वसीम ने अपने यूट्यूब शो 'BolWasim' में फातिमा सना और बाबर आजम की तुलना पर अपनी राय रखी। उनसे पूछा गया था कि क्या फातिमा को पुरुष क्रिकेट में बाबर आजम के बराबर माना जा सकता है। इस पर वसीम ने कहा, 'वह उन सभी से आगे हैं। जो लोग शिक्षित हैं और क्रिकेट को समझते हैं, उनके बीच वह आगे हैं।' वसीम ने आगे कहा कि लोकप्रियता प्रदर्शन से हासिल होती है। उन्होंने फातिमा की ऑलराउंड क्षमता का जिक्र करते हुए कहा कि वह बल्लेबाजी और गेंदबाजी, दोनों में योगदान देती हैं।

134 मैचों में 1800 से ज्यादा रन, 157 विकेट

फातिमा सना ने पाकिस्तान के लिए अब तक 134 मैच खेले हैं। इस दौरान उनके नाम 1800 से ज्यादा रन और 157 विकेट दर्ज हैं। वसीम के मुताबिक, मौजूदा समय में अंतरराष्ट्रीय मीडिया में भी फातिमा की तारीफ देखने को मिलती है, भले ही पाकिस्तान की टीम कई मौकों पर मैच हार गई हो। पूर्व चयनकर्ता ने कहा कि पुरुष टीम के कुछ बड़े क्रिकेट सितारों की तुलना में फातिमा को उनके प्रदर्शन के लिए अधिक प्रशंसा मिल रही है। उन्होंने उन्हें पाकिस्तान क्रिकेट का मौजूदा सुपरस्टार भी बताया।

मोहिंदर अमरनाथ: जबड़े में छह टांकों के बाद भी नहीं मानी हार भारत को बनाया चैंपियन कैसा रहा 'जिम्मी' का सफर?

आज भारत के उस खिलाड़ी का जन्मदिन है जिसने अपनी जान की परवाह किए बगैर 1983 में देश को विश्व विजेता का गौरव दिलाया था। जन्मदिन विशेष में हैं मोहिंदर अमरनाथ की उस जुझारू कहानी के बारे में, जबड़े में छह टांके लगने के बावजूद उन्होंने मैदान पर उतरकर बल्लेबाजी की थी। 1983 विश्व कप के सेमीफाइनल और फाइनल में मैन ऑफ द मैच बनकर उन्होंने भारत को पहली बार विश्व चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई।

भारतीय क्रिकेट के इतिहास में 1983 विश्व कप की जीत का जिक्र जब भी होता है, मोहिंदर अमरनाथ का नाम प्रमुखता से लिया जाता है। मुश्किल परिस्थितियों में डटकर मुकाबला करने वाले इस पूर्व ऑलराउंडर ने इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल और वेस्टइंडीज के खिलाफ फाइनल में शानदार प्रदर्शन कर भारत को पहली बार विश्व चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी। 24 सितंबर को जन्मे मोहिंदर अमरनाथ आज अपना जन्मदिन मना रहे हैं। मोहिंदर अमरनाथ का जन्म 24 सितंबर, 1950 को पंजाब में हुआ था। उन्हें क्रिकेट का हुनर विरासत में मिला।

उनके पिता लाला अमरनाथ स्वतंत्र भारत के पहले भारतीय कप्तान और देश के शानदार बल्लेबाजों में शुमार रहे। उनके बड़े भाई सुरिंदर अमरनाथ भी भारतीय क्रिकेटर थे। ऐसे क्रिकेटिंग माहौल में पले-बढ़े मोहिंदर का इस खेल की ओर आकर्षित होना स्वाभाविक था।

घरेलू क्रिकेट में लगातार शानदार प्रदर्शन के बाद मोहिंदर को 1969 में भारतीय टीम की जर्सी पहनने का मौका मिला। हालांकि, अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के शुरुआती दौर में वह अपनी छाप नहीं छोड़ सके और टीम से बाहर हो गए। लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी। घरेलू क्रिकेट में लगातार रन बनाकर उन्होंने दोबारा भारतीय टीम में जगह बनाई और आगे चलकर टीम के भरोसेमंद ऑलराउंडरों में अपनी पहचान बनाई। मोहिंदर अमरनाथ के करियर में उनकी जुझारू क्षमता का एक बड़ा उदाहरण 1983 में भारत और वेस्टइंडीज के बीच खेली गई टेस्ट सीरीज के दौरान देखने को मिला। उस दौर में वेस्टइंडीज का तेज गेंदबाजी आक्रमण दुनिया के सबसे खतरनाक गेंदबाजी आक्रमणों में गिना जाता था। एक मुकाबले में कैरेबियाई तेज गेंदबाज मैल्कम मार्शल की गेंद सीधे मोहिंदर के जबड़े पर जा लगी। से लहूलुहान हो गई।

हार्दिक का बैकअप कौन: जडेजा की वापसी कितनी लंबी शमी और भुवी का क्या होगा? भारत के स्क्वॉड से मिले बड़े संकेत

भारतीय क्रिकेट टीम अगले एक महीने से ज्यादा समय में छह अलग-अलग सीरीज और टूर्नामेंट में मैदान पर उतरेगी। वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे-टी20 सीरीज, एशियन गेम्स, ईरानी कप और ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ मुकाबलों के लिए चुने गए स्क्वॉड से जडेजा की भूमिका, हार्दिक के बैकअप, नीतीश रेड्डी की प्राथमिकता और शमी-भुवनेश्वर के भविष्य को लेकर कई संकेत मिले हैं। भारतीय क्रिकेट का व्यस्त कार्यक्रम अगले एक महीने से ज्यादा समय तक जारी रहने वाला है। भारत को वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे और टी20 सीरीज खेलनी है। इसी दौरान एशियन गेम्स में भी भारतीय टीम हिस्सा लेगी। इसके अलावा ईरानी कप में रेस्ट ऑफ इंडिया और ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ इंडिया ए के मुकाबले भी होंगे। इन अलग-अलग प्रतियोगिताओं के लिए चुने गए स्क्वॉड पर नजर डालें तो भारतीय टीम प्रबंधन की भविष्य की योजनाओं के कई संकेत मिलते हैं। सबसे अहम सवाल रविंद्र जडेजा की वनडे टीम में वापसी, हार्दिक पांड्या के बैकअप के रूप में नीतीश कुमार रेड्डी की भूमिका, नमन धीर और औकिब नबी जैसे खिलाड़ियों को मौका देने और मोहम्मद शमी तथा भुवनेश्वर कुमार के भविष्य से जुड़े हैं। 27 सितंबर से तीन अक्तूबर तक होने वाली वनडे सीरीज के लिए शुभमन गिल को कप्तान और केएल राहुल को उपकप्तान बनाया गया है। भारत की वनडे टीम: शुभमन गिल (कप्तान), केएल राहुल (उपकप्तान और विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), रोहित शर्मा, विराट कोहली, ऋतुराज गायकवाड, नीतीश कुमार रेड्डी, रविंद्र जडेजा, कुलदीप यादव, प्रसिद्ध कृष्णा, गुरनूर बराड़, मोहम्मद सिराज, आकिब नबी, यशस्वी जायसवाल, नमन धीर।

टीम इंडिया की मस्ती: कप्तान-उपकप्तान की जुगलबंदी से वैभव की पोस्ट तक अभिषेक-ईशान की तस्वीरों ने खींचा ध्यान

एशियन गेम्स 2026 के लिए जापान पहुंची भारतीय क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों का मैदान से बाहर भी मस्ती भरा अंदाज देखने को मिला। वैभव सूर्यवंशी ने 'नोबिता के शहर' से तस्वीरें साझा कीं, अभिषेक शर्मा और ईशान किशन रेस्टोरेंट में नजर आए, जबकि कप्तान श्रेयस अय्यर और उपकप्तान तिलक वर्मा की जुगलबंदी ने खास ध्यान खींचा।

वैभव सूर्यवंशी का 'नोबिता' अंदाज: युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने जापान पहुंचने के बाद सोशल मीडिया पर अपनी कुछ तस्वीरें साझा कीं। उन्होंने अपनी पोस्ट के कैप्शन में लिखा, 'रिपोर्टिंग फ्रॉम नोबिताज़ सिटी' (Reporting from Nobita's City), जो मशहूर जापानी कार्टून कैरेक्टर नोबिता के शहर की ओर इशारा करता है। उनकी यह पोस्ट काफी वायरल हो रही है।

अभिषेक शर्मा और ईशान की मस्ती: विस्फोटक बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन भी जापान के एक रेस्टोरेंट में साथ समय बिताते नजर आए। क्रिकेट के मैदान के दबाव से दूर दोनों का यह कूल अंदाज फैंस को बहुत पसंद आ रहा है। कप्तान और उपकप्तान की जुगलबंदी: टीम के कप्तान श्रेयस अय्यर और उपकप्तान तिलक वर्मा की साथ वाली तस्वीर ने सबका ध्यान खींचा है।

वार्म-अप मैच और प्रैक्टिस सेशन: मुख्य मुकाबला शुरू होने से पहले टीम इंडिया ने जापानी कंडीशंस में ढलने के लिए कड़ी मेहनत शुरू कर दी है। सानो (Sano) के मैदान पर खिलाड़ियों ने अभ्यास सत्र के दौरान जमकर पसीना बहाया, जिसकी तस्वीरें इंटरनेट पर छाई हुई हैं।

रवि बिश्नोई और अर्शदीप का जापानी कल्चर प्रेम: युवा स्पिनर रवि बिश्नोई और तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने प्रैक्टिस के बाद जापानी संस्कृति और वहां की स्थानीय आतिथ्य सत्कार (Hospitality) का आनंद लेते हुए अपनी तस्वीरें शेयर की हैं, जिन्हें फैंस काफी पसंद कर रहे हैं।

वरुण चक्रवर्ती की फिरकी का जादू: सोशल मीडिया पर एक वीडियो काफी शेयर किया जा रहा है जिसमें मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती जापान के लोकल यंग क्रिकेटर्स को नेट सेशन के दौरान अपनी गेंदबाजी के टिप्स देते नजर आ रहे हैं।

क्वार्टर फाइनल की तैयारी: कप्तान श्रेयस अय्यर और कोच की देखरेख में पूरी टीम ने रणनीति पर काम करना शुरू कर दिया है। भारत अपना क्वार्टर फाइनल मुकाबला 28 सितंबर को सुबह 10:00 बजे (भारतीय समयानुसार) खेलेगा।

- जापानी फैंस के बीच रिंकू सिंह का क्रेज: फिनिशर की भूमिका निभाने वाले रिंकू सिंह जापान में भी फैंस के बीच छाए हुए हैं। प्रैक्टिस सेशन के बाद जब रिंकू जापानी बच्चों को ऑटोग्राफ दे रहे थे, तो उनका यह विनम्र स्वभाव सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया।
- जिम सेशन और फिटनेस गोल्स: सिर्फ मस्ती ही नहीं, खिलाड़ी अपनी फिटनेस पर भी पूरा ध्यान दे रहे हैं। ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या और शिवम दुबे की जिम में पसीना बहाते हुए वर्कआउट वीडियो काफी पसंद किए जा रहे हैं।
- बॉर्डर पर स्थानीय व्यंजनों का लुत्फ: मैच के तनाव से दूर भारतीय खिलाड़ियों ने टोक्यो और सानो के लोकल फूड्स का भी आनंद लिया। टीम डिनर के दौरान सभी खिलाड़ी एक साथ काफी मस्ती के मूड में दिखे।

लेखकों के वैचारिक दृष्टिकोण से या संवाददाताओं की खबरों से संपादक की सहमति-असहमति अनिवार्य नहीं है। किसी लेख या खबर के सन्दर्भ में आपत्ति या विरोध हो तो संपादकीय कार्यालय से सम्पर्क करें।
आपके स्पष्टीकरण को साक्ष्य प्रकाशित किया जाएगा।
– सम्पादक

R.N.I. No.
UPHIN/25/A4228
स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक
निर्भय कुमार सेंगर
के लिए 'प्लैनेट न्यूज़ इंडिया' प्रेस से
छपकर,
बी-9, गायत्री भवन,
विक्रम कॉलोनी, चावला पेट्रोल पंप के पास,
रामघाट रोड, अलीगढ़
(उ.प्र.) से प्रकाशित।
मो. 9454428661
प्रधान संपादक- निर्भय कुमार सेंगर
(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अलीगढ़ होगा)
Email:planetnewsindia776
@gmail.com

BOOK YOUR ADVERTISEMENT

+91-7088120300